RNI No. 58061/93 ▪ वर्ष - 21 ▪ अंक - 122 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » बुधवार » 26-11-2025 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

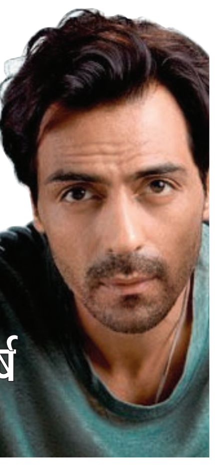

5 राम मंदिर के लिए सिख गुरुओं और उनकी पीढ़ियों ने दी कुर्बानी : आदित्यनाथ

6 संविधानः लोकतंत्र की आत्मा और सुशासन का आधार

7 अर्जुन रामपाल ने झेला ऐसा संघर्ष कि घर चलाना हुआ मुश्किल

फर्स्ट टेक

तमिलनाडु ने 43,844 करोड़ रुपए निवेश के 158 एमओयू पर हस्ताक्षर किए

कोयंबटूर/भाषा। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन की मौजूदगी में मंगलवार को यहां हुए 'तमिलनाडु राइजिंग' निवेश सम्मेलन में कुल 158 समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर हुए। इनसे कुल 43,844 करोड़ रुपये का निवेश आने और एक लाख से अधिक नौकरियां पैदा होने का अनुमान है। इनमें साक्षी एयरक्राफ्ट इंडस्ट्री का एमओयू सबसे खास है, जिसके तहत तिरुपुर जिले में 500 करोड़ रुपये के निवेश से अत्याधुनिक दो सीटों वाला प्रशिक्षण विमान बनाने की इकाई लगाई जाएगी। इससे उच्च कुशल श्रमिकों के लिए 1,200 नौकरियां पैदा होंगी। यह राज्य में अपनी तरह की पहली प्रशिक्षण विमान विनिर्माण इकाई होगी।

नौसेना जासूसी मामले में दो और आरोपियों को सजा सुनायी गई

नयी दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) की एक अदालत ने मंगलवार को पाकिस्तान से जुड़े विशाखापत्तनम नौसेना जासूसी मामले में दो और आरोपियों को साधारण कारावास के साथ-साथ जुर्माने की सजा सुनायी। एनआईए की ओर से जारी एक बयान में कहा गया है कि आरोपियों की पहचान अशोक कुमार और विकास कुमार के रूप में हुई है, जो क्रमश: राजस्थान के झुंझुनू और अलवर जिले के रहने वाले हैं और उन्हें 5 साल और 11 महीने की साधारण कारावास की सजा काटनी होगी। बयान में कहा गया है कि विशाखापत्तनम (आंध्र प्रदेश) स्थित एनआईए की विशेष अदालत द्वारा लगाए गए 5,000 रुपये के जुर्माने का भुगतान नहीं करने की स्थिति में उन्हें एक वर्ष की अतिरिक्त साधारण कारावास की सजा भी भुगतनी होगी।

भारत-नेपाल संयुक्त सैन्य अभ्यास शुरू

नयी दिल्ली/भाषा। भारत-नेपाल द्विपक्षीय सैन्य अभ्यास 'सूर्यकिरण' का 19वां संस्करण मंगलवार को उत्तराखंड के पिथौरागढ़ में शुरू हुआ। इसका उद्देश्य जंगली क्षेत्र में युद्ध, पहाड़ी इलाकों में आतंकवाद रोधी अभियानों और थल एवं नभ में एकीकृत अभियानों में बटालियन स्तर के तालमेल को मजबूत करना है। रक्षा मंत्रालय ने यह जानकारी दी। भारतीय दल में 334 कर्मी शामिल हैं, जिसका प्रतिनिधित्व मुख्य रूप से 'असम रेजिमेंट' के सैनिक कर रहे हैं, जबकि नेपाल पक्ष का प्रतिनिधित्व 'देवी दत्त रेजिमेंट' के 334 सैनिक कर रहे हैं। रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि यह अभ्यास आठ दिसंबर को समाप्त होगा।

26-11-2025 सूर्यास्त 5:50 बजे	27-11-2025 सूर्योदय 6:24 बजे

BSE	NSE
84,587.01	25,884.80
(-313.70)	(-74.70)

सोना	चांदी
12,878 रु.	159,605 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

व्याकुल प्रतिभाएं

नक्काल हो रहे हाईटेक,
प्रतिभाएं व्याकुल पढ़ने से।
आरक्षित कोटे रोक रहे,
मेधा को आगे बढ़ने से।
हो रहा पतन विद्वानों का,
नेताओं के मद चढ़ने से।
मच रही लूट आपाधापी,
अपने-अपने हित गढ़ने से।।

राम मंदिर ध्वजारोहण युगांतकारी, सदियों के जख्म भर रहे हैं : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अयोध्या (उप्र)/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को यहां राम मंदिर ध्वजारोहण को 'युगांतकारी' क्षण की संज्ञा देते हुए कहा कि 'सदियों के जख्म और दर्द भर रहे हैं' क्योंकि 500 साल पुराना संकल्प आखिरकार राम मंदिर के औपचारिक निर्माण के साथ पूरा हो रहा है। मोदी ने श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के शिखर पर ध्वजारोहण के बाद अपने संबोधन में कहा कि ''राम सिर्फ एक व्यक्ति नहीं, एक मूल्य हैं, एक मर्यादा हैं, एक दिशा हैं और अगर भारत को 2047 तक विकसित बनाना है, अगर समाज को शक्तिशाली बनाना है तो हमें अपने भीतर राम को जगाना होगा।''

इसके पूर्व प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में अयोध्या में 22 जनवरी 2024 को भगवान श्री रामलला की भव्य-दिव्य मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा की गई थी।

- पवित्र ध्वज इस बात का सबूत होगा कि असत्य पर आखिरकार सत्य की जीत होती है।
- अगर समाज को शक्तिशाली बनाना है तो हमें अपने भीतर राम को जगाना होगा।

मोदी ने भगवान राम के आदर्शों का उल्लेख करते हुए कहा, ''हमें अपने भीतर के राम की समीक्षा करनी होगी। इस संकल्प के लिए आज से बेहतर दिन क्या हो सकता है।'' राम मंदिर के शिखर पर ध्वजारोहण समारोह में मोदी के साथ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत, उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी थे।

प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर कहा, सदियों के घाव और दर्द आज भर रहे हैं और 500 साल पुराना संकल्प पूरा हो रहा है। इससे पहले रामनगरी पहुंचे प्रधानमंत्री मोदी का जोरदार स्वागत हुआ। 'जय श्री राम' और 'जय जय हनुमान' नारों के बीच अयोध्यावासियों ने प्रधानमंत्री के काफिले पर पुष्प वर्षा की। इस पल को युगांतकारी बताते हुए, प्रधानमंत्री ने कहा कि अयोध्या एक और ऐतिहासिक पड़ाव देख रहा है। उन्होंने कहा पूरा देश और दुनिया भगवान राम में डूबी हुई है। उन्होंने कहा, ''आज अयोध्या नगरी भारत की सांस्कृतिक चेतना के एक और उत्कर्ष-बिंदु की साक्षी बन रही है। श्री राम जन्मभूमि मंदिर के शिखर ध्वजारोहण उत्सव का यह क्षण अद्वितीय और अलौकिक है।'' मोदी ने कहा कि पवित्र ध्वज इस बात का सबूत होगा कि असत्य पर आखिरकार सत्य की जीत होती है।'' उन्होंने मंदिर निर्माण में योगदान देने वालों का उल्लेख करते हुए इस अवसर पर कहा, ''मैं इस खास मौके पर राम भक्तों को बधाई देता हूं, उन सभी को बधाई देता हूं जिन्होंने राम मंदिर निर्माण में दान दिया या किसी भी तरह से मदद की।''

भारत रक्षा नवाचार के स्वर्णिम युग में प्रवेश कर रहा है : राजनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को कहा कि तेजी से बदलती दुनिया और भू-राजनीति के बीच, भारत को प्रतिक्रियावादी दृष्टिकोण से आगे बढ़कर खुद को भविष्य के लिए तैयार करने के वास्ते ''सक्रिय'' दृष्टिकोण अपनाना होगा। सिंह ने नवाचार और स्वदेशीकरण पर नौसेना के प्रमुख कार्यक्रम 'स्वावलंबन 2025' में अपने संबोधन में कहा कि भारत ''रक्षा नवाचार के स्वर्णिम युग'' में प्रवेश कर रहा है।

सिंह ने यहां मानेकशॉ सेंटर में आयोजित कार्यक्रम में कहा, ''रक्षा क्षेत्र में हमें बड़े पैमाने पर, अधिक साहस के साथ और तेज गति से आगे बढ़ना होगा।'' सिंह ने निजी क्षेत्र से आग्रह किया कि वे केवल मुनाफा कमाने तक सीमित न रहें, बल्कि 'मुनाफे के साथ-साथ राष्ट्रहित' को भी ध्यान में रखें।

मंत्री ने जोर देकर कहा कि जितने अधिक नवप्रवर्तक आगे बढ़ेंगे, भारत उतना ही अधिक सुरक्षित, सक्षम और आत्मनिर्भर बनेगा।

प्रमुख रक्षा अध्यक्ष जनरल अनिल चौहान, नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के. त्रिपाठी, सशस्त्र बलों के वरिष्ठ अधिकारी, डीआरडीओ के अध्यक्ष समीर वी. कामत और रक्षा क्षेत्र के कई विशेषज्ञ एवं नवप्रवर्तक मंच पर उपस्थित थे। अपने संबोधन से पहले, सिंह ने प्रदर्शनी हॉल का भी दौरा किया और मंगलवार से शुरू हुए दो-दिवसीय कार्यक्रम में भाग लेने वाले कुछ लोगों से बातचीत की। वर्ष 2022 में पहली बार शुरू हुआ यह आयोजन एक राष्ट्रीय मंच के रूप में विकसित हो गया है, जहां 'एमएसएमई' और 'स्टार्टअप', सशस्त्र बलों की परिचालन आवश्यकताओं को पूरा करने में उत्पन्न चुनौतियों के आधार पर अपने समाधान प्रदर्शित करते हैं।

28 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

नारायणपुर/भाषा। छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले में 89 लाख रुपए के इनामी 22 नक्सलियों समेत कुल 28 नक्सलियों ने सुरक्षाबलों के सामने आत्मसमर्पण कर दिया है। पुलिस अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जिले में 28 नक्सलियों ने सुरक्षाबलों के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। इनमें से तीन नक्सलियों ने अपने पास रखे तीन हथियार एसएलआर, इंसास और .303 राइफल को भी सुरक्षाबलों को सौंप दिया। उन्होंने बताया कि आत्मसमर्पण करने वालों में 19 महिला नक्सली भी शामिल हैं। इसके साथ ही आत्मसमर्पण करने वाले तीन नक्सलियों द्वारा जमा किए गए तीन हथियारों के लिए कुल पांच लाख रुपए का इनाम है। अधिकारियों ने बताया कि यह राज्य शासन का 'पूना मारगेम : पुनर्वास से पुनर्जीवन' पहल के तहत स्थायी शांति और सकारात्मक बदलाव की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम है। यह पुनर्वास नारायणपुर के स्थानीय समाज, प्रशासन, पुलिस और सुरक्षाबलों के सतत, समन्वित तथा दृढ़ प्रयासों का परिणाम है।

कर्नाटक में सड़क हादसे में आईएएस अधिकारी महंतेश बिलगी, दो अन्य की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कलबुर्गी। भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के अधिकारी महंतेश बिलगी और उनके दो रिश्तेदारों की मंगलवार शाम को कलबुर्गी जिले में सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, कर्नाटक राज्य खनिज निगम लिमिटेड (केएसएमसीएल) के प्रबंध निदेशक बिलगी अपने रिश्तेदार की शादी में शामिल होने के लिए जा रहे थे, तभी कलबुर्गी जिले में गौनाहल्ली के पास यह दुर्घटना हुई। यह घटना उस वक्त हुई, जब उनकी कार डिवाइडर से टकराकर पलट गई। हादसे में महंतेश बिलगी, उनके रिश्तेदार शंकर बिलगी और एरन्ना बिलगी की मृत्यु हो गई। महंतेश बिलगी के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए, मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने कहा कि उनके निधन से उन्हें बहुत दुःख हुआ है। मुख्यमंत्री ने कहा, उन्होंने कई जिलों में जिला पंचायतों के मुख्य कार्यकारी अधिकारी और जिलाधिकारी के रूप में ईमानदारी से अपनी सेवाएं दीं। महंतेश ने जहां भी अपने कर्तव्यों का निर्वहन किया, वहां अपनी कार्यकुशलता की छाप छोड़ी। उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने उन्हें एक कुशल अधिकारी बताया, जो अपनी जनसेवा पहल के लिए प्रसिद्ध थे। उन्होंने बिलगी के निधन को समाज के लिए एक अपूरणीय क्षति बताया।

भारत की आत्मा और हमारे राष्ट्रीय चरित्र का मार्गदर्शक है संविधान : बिरला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर/भाषा। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने मंगलवार को कहा कि संविधान केवल कानूनों का दस्तावेज नहीं, बल्कि भारत की आत्मा और हमारे राष्ट्रीय चरित्र का मार्गदर्शक है। उन्होंने कहा कि न्याय, स्वतंत्रता, समता और बंधुत्व जैसे मूल मूल्य हमारे लोकतंत्र की नींव हैं और युवाओं के लिए इन्हें समझना और अपने व्यवहार में उतारना बेहद आवश्यक है।

वे संविधान दिवस के अवसर पर यहां एक निजी विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि 'संविधान को जानो' जैसे प्रयास आज के समय की जरूरत हैं। उन्होंने कहा कि जिन विश्वविद्यालयों में देश के अलग-अलग राज्यों और दुनिया के कई देशों से विद्यार्थी पढ़ते हैं, वे भारत की विविधता का सबसे सुंदर स्वरूप दिखाते हैं। यही विविधता हमारी शक्ति है और संविधान इसे एक सूत्र में बांधने का कार्य करता है।

बिरला ने कहा कि संविधान निर्माण की प्रक्रिया स्वतंत्रता आंदोलन की निरंतरता थी और डॉ. भीमराव अंबेडकर सहित संविधान सभा के सभी सदस्यों ने तीन वर्षों तक व्यापक चर्चा करके एक ऐसा संविधान तैयार किया जो हर नागरिक को न्याय और अधिकार का भरोसा देता है। उन्होंने कहा कि एक समय था जब दुनिया को संदेह था कि इतनी विविधता वाला देश संसदीय लोकतंत्र को लंबे समय तक नहीं चला पाएगा, लेकिन भारत ने साबित किया कि विविधता ही उसकी सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने कहा कि शिक्षा संस्थानों को चाहिए कि वे छात्रों में संवैधानिक मूल्यों, कर्तव्य-बोध और राष्ट्रहित की भावना को और मजबूत करें।

अमेरिका के शांति समझौते पर चर्चा के बीच

रूस ने यूक्रेन की राजधानी पर हमला किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कीव/एपी। रूस ने मंगलवार तड़के यूक्रेन की राजधानी कीव में आवासीय भवनों और ऊर्जा ढांचों को निशाना बनाते हुए सिलसिलेवार हमले किए। वीडियो फुटेज और स्थानीय अधिकारियों से मिली जानकारी में यह बात सामने आई।

मेयर विटाली क्लिश्को ने बताया कि मध्य पेचेर्स्क जिले में एक आवासीय इमारत और कीव के पूर्वी जिले द्निप्रोव्स्की में एक अन्य आवासीय इमारत बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई।

'टेलीग्राम' पर पोस्ट किए गए वीडियो फुटेज में द्निप्रोव्स्की की नौ मंजिला इमारत की कई मंजिलों में भीषण आग लगती हुई दिखाई दे रही है।

कीव शहर प्रशासन के प्रमुख तिमोर तकाचेंको ने बताया कि कम से कम चार लोग घायल हुए हैं।

यूक्रेन के ऊर्जा मंत्रालय ने बताया कि ऊर्जा अवसंरचना को नुकसान पहुंचा है। हालांकि उन्होंने यह नहीं बताया कि नुकसान किस प्रकार का है और कितना है।

रूस के रक्षा मंत्रालय ने मंगलवार को बताया कि रूसी वायु रक्षा बलों ने क्रीमिया सहित विभिन्न रूसी क्षेत्रों के ऊपर रात भर में 249 यूक्रेनी ड्रोन नष्ट किए।

जन विश्वास विधेयक के तीसरे संस्करण पर कर रहे हैं काम : गोयल

नई दिल्ली/भाषा। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने मंगलवार को कहा कि उनके मंत्रालय ने जन विश्वास विधेयक के तीसरे संस्करण के जरिये छोटे कारोबारी अपराधों को और अपराध-मुक्त करने के लिए काम करना शुरू कर दिया है। उन्होंने कहा कि उनके मंत्रालय ने पहले ही लगभग 275-300 ऐसे प्रावधानों की पहचान कर ली है, जिन्हें अपराध-मुक्त की श्रेणी में डाला जा सकता है। उन्होंने यहां घरेलू व्यापारियों के एक सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा, ''जन विश्वास विधेयक-3 की तैयारी चल रही है।'' जन विश्वास (प्रावधान में संशोधन) विधेयक-2025, जो जीवन और व्यापार को आसान बनाने के लिए कुछ छोटे अपराधों को अपराध-मुक्त करने की कोशिश करता है, अगस्त में लोकसभा में पेश किया गया था और एक प्रवर समिति को भेजा गया था।

समिति को संसद के अगले सत्र के पहले दिन तक सदन में अपनी रिपोर्ट जमा करने का काम सौंपा गया है। इस कानून का पहला संस्करण 2023 में लागू किया गया था।

असम विधानसभा में बहुविवाह पर प्रतिबंध लगाने वाला विधेयक पेश

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने मंगलवार को विधानसभा में बहुविवाह पर प्रतिबंध लगाने वाला एक विधेयक पेश किया। अध्यक्ष विश्वजीत दैमारी की अनुमति से शर्मा ने असम बहुविवाह निषेध विधेयक, 2025 पेश किया। यह विधेयक विपक्षी दल कांग्रेस, माकपा और रायजोर दल के विधायकों की अनुपस्थिति में पेश किया गया। जिन्होंने गायक जुबिन गर्ग की मौत मामले पर चर्चा के बाद सदन से बहिर्गमन किया।

राजकाज सरल और पारदशी होना चाहिए : सीतारमण

नयी दिल्ली/भाषा। वित्त एवं कॉरपोरेट कार्य मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को कहा कि राजकाज को सरल, पारदर्शी और लोगों की सुविधा बढ़ाने वाला होना चाहिए। उन्होंने कंपनी पंजीयकों और क्षेत्रीय निदेशालयों के काम की समीक्षा करते हुए यह बात कही।

वित्त मंत्री ने 'विकसित भारत 2047' के लक्ष्य तक पहुंचने के लिए प्रक्रियाओं को अधिक सरल तथा व्यवस्था को आम लोगों के लिए अधिक सुविधाजनक बनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि दिवाला एवं ऋण शोधन अक्षमता संहिता (आईबीसी) जैसे कानूनी सुधार यह दिखाते हैं कि भारत बदलते समय के साथ कदम मिलाकर चल रहा है। कॉरपोरेट कार्य मंत्रालय के कामकाज में अधिक पारदर्शिता लाने के लिए मंत्री ने एक 'लाइव डैशबोर्ड' बनाने का सुझाव दिया और अधिकारियों से कहा कि वे लोगों तक कानूनी जरूरतों की जानकारी प्रभावी तरीके से पहुंचाने के रास्ते तलाशें।

प्रधानमंत्री ने हरियाणा के कुरुक्षेत्र में 'पांचजन्य' स्मारक का उद्घाटन किया

विशाल शंख लगभग 5 से 5.5 टन वजनी है और चार से पांच मीटर तक है ऊंचाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कुरुक्षेत्र (हरियाणा)/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कुरुक्षेत्र में भगवान कृष्ण के पवित्र शंख को समर्पित नए बने 'पांचजन्य' स्मारक का उद्घाटन किया। प्रधानमंत्री 'महाभारत अनुभव केंद्र' भी गए, जो यहां का एक गहन अनुभूति केंद्र है, जहां महाभारत के खास प्रसंग दिखाए गए हैं, जो इसके हमेशा रहने वाले सांस्कृतिक व आध्यात्मिक महत्व को दर्शाते हैं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी भी उपस्थित थे।

उल्लेखनीय है कि 'अनुभव केंद्र' को भारत सरकार के पर्यटन मंत्रालय द्वारा संचालित 'स्वदेश दर्शन' योजना के तहत विकसित किया गया है।

एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि केंद्र महाभारत की विषय वस्तु पर आधारित एक अनोखा अनुभव प्रदान करता है। बयान के मुताबिक, लगभग 200 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित इस परिसर में आधुनिक तकनीकों के माध्यम से महाभारत की कथा, दर्शन, इतिहास और उसके विभिन्न पहलुओं को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया गया है। इस परिसर के भीतर भगवान कृष्ण के पवित्र शंख के सम्मान में एक स्मारक बनाया गया है, जो धर्म और सत्य की विजय का प्रतीक है। यह विशाल शंख लगभग 5 से 5.5 टन वजनी है और इसकी ऊंचाई चार से पांच मीटर तक है।

प्रधानमंत्री गुरु तेग बहादुर की 350वीं शहीदी वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में भी भाग लेंगे।

गुजरात में 16 हजार करोड़ रु. की ड्रग बरामद, किसी को दोषी ठहराया नहीं गया : कांग्रेस

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने मंगलवार को दावा किया कि गुजरात में चार वर्षों के दौरान 16,000 करोड़ रुपए के मादक पदार्थ बरामद किए गए, लेकिन किसी एक मामले में भी कोई दोषी नहीं ठहराया गया। पार्टी के अग्रिम संगठन सेवा दल के प्रमुख लालजी देसाई ने यह आरोप भी लगाया कि गुजरात में नशे के कारोबार में सिर्फ पुलिस के अधिकारियों की नहीं, बल्कि सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी के कुछ नेताओं की भी संलिप्तता है।

उनके आरोप पर गुजरात सरकार या भाजपा की तरफ से फिलहाल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, ''गुजरात में कुछ दिन पहले स्कूल के बगल में चल रही मादक पदार्थ की दुकान पर कांग्रेस विधायक जिग्नेश मेवानी ने जनता के साथ मिलकर ''जनता रेड'' की। इस दौरान कांग्रेस विधायक जिग्नेश मेवानी ने स्थानीय पुलिसकर्मी और अधिकारियों से कहा कि अगर स्कूल के बगल में मादक पदार्थ की दुकान चलने देंगे तो हम पट्टा उतरवा देंगे।'' देसाई का दावा था कि प्रदेश के उप मुख्यमंत्री और गृह मंत्री हर्ष सांघवी ने मामले में कार्रवाई के बजाय स्थानीय पुलिसकर्मियों और अधिकारियों का बचाव किया। उन्होंने दावा किया, '' 2021 से 2024 के दौरान 16 हजार करोड़ रुपए के मादक पदार्थ पकड़े गए, लेकिन किसी एक मामले में कोई दोषी नहीं ठहराया गया।''

वायु प्रदूषण कम करने के लिए वैकल्पिक ईंधन, नई प्रौद्योगिकी पर ध्यान देना होगा : गडकरी

नई दिल्ली/भाषा। देश को वायु प्रदूषण कम करने के लिए वैकल्पिक ईंधन, जैव-ईंधन के साथ ही नई प्रौद्योगिकी और नवाचार पर ध्यान देना होगा। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने मंगलवार को 'आईसीवीए ग्रीन रिटर्न्स समिट 2025' को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि किसी भी देश या समाज में नैतिकता, अर्थव्यवस्था और पर्यावरण-पारिस्थितिकी, तीन सबसे महत्वपूर्ण क्षेत्र हैं। गडकरी ने कहा, ''पर्यावरण और पारिस्थितकी बहुत महत्वपूर्ण हैं... वायु प्रदूषण के बारे में मुझे बताने की जरूरत नहीं। आप खुद इस समस्या को महसूस कर रहे हैं। हम दिल्ली में इसका सामना कर रहे हैं।'' सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री ने कहा कि कुल वायु प्रदूषण का 40 प्रतिशत हिस्सा परिवहन ईंधन से आता है और यह देश, खासकर दिल्ली के लिए बड़ी समस्या है।

गडकरी ने कहा कि भारत जीवाश्म ईंधन आयात करने में 22 लाख करोड़ रुपए खर्च कर रहा है और जीवाश्म ईंधन के कारण ही ''हम प्रदूषण की समस्या को झेल रहे हैं।'' उन्होंने कहा, ''हमें प्रदूषण कम करने के लिए वैकल्पिक ईंधन और जैव-ईंधन पर ध्यान देना होगा।'' केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के मुताबिक मंगलवार को राष्ट्रीय राजधानी का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 'बेहद खराब' श्रेणी में 360 रहा। यह सोमवार को 382 था। उन्होंने कहा कि भारत नई तकनीक और नए नवाचार विकसित करके भी प्रदूषण कम कर सकता है। गडकरी ने कहा कि एक्सप्रेसवे और आर्थिक गलियारों के तेज विस्तार की वजह से इस साल दिसंबर तक भारत में लॉजिस्टिक लागत एकल अंक में आ जाएगी।

आयकर, जीएसटी कटौती से अतिरिक्त राजकोषीय समर्थन की गुंजाइश सीमित: मूडीज

नई दिल्ली/भाषा। वैश्विक रेटिंग एजेंसी मूडीज ने मंगलवार को कहा कि चालू वित्त वर्ष में आयकर और जीएसटी में की गई कटौतियों ने सरकार की राजस्व वृद्धि को कमजोर कर दिया है जिससे अर्थव्यवस्था को अतिरिक्त वित्तीय समर्थन देने की गुंजाइश सीमित हो गई है।

मूडीज रेटिंग्स के उपाध्यक्ष और वरिष्ठ क्रेडिट अधिकारी (सरकारी जोखिम) मार्टिन पेट्च ने एक वेबिनार में कहा, राजस्व वृद्धि अपेक्षा से काफी कमजोर रही है। पिछले महीनों में जो कर कटौती हुई है, उसका भी राजस्व संग्रह पर असर पड़ा है। इसी वजह से वित्तीय सशक्तीकरण पर दबाव बढ़ा है और अतिरिक्त प्रोत्साहन देने की गुंजाइश घट गई है। महालेखा नियंत्रक (सीजीए) की तरफ से जारी आंकड़ों के मुताबिक, सितंबर, 2025 के अंत तक शुद्ध कर राजस्व घटकर 12.29 लाख करोड़ रुपए रहा, जो पिछले वर्ष की समान अवधि में 12.65 लाख करोड़ रुपए था। यह सरकार के वर्ष 2025-26 के बजट अनुमान का सिर्फ 43.3 प्रतिशत है, जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 49 प्रतिशत लक्ष्य हासिल हुआ था। सरकार ने इस वर्ष बजट में नए कर ढांचे के तहत आयकर छूट सीमा सात लाख रुपए से बढ़ाकर 12 लाख रुपए कर दिया था। इससे मध्यम वर्ग को लगभग एक लाख करोड़ रुपए की कर राहत मिली है।

दिल्ली को मिला 'रेखा का धोखा', महिलाओं को 2,500 रुपए देने का वादा पूरा नहीं हुआ : कांग्रेस

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने बुधवार को आरोप लगाया कि दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार के 10 महीने पूरे होने के बावजूद महिलाओं को 2,500 रुपए मासिक देने का वादा पूरा नहीं किया गया। कांग्रेस के दिल्ली प्रभारी काजी निजामुद्दीन ने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर कटाक्ष करते हुए कहा कि दिल्ली के लोगों को 'रेखा का धोखा' मिला है। दिल्ली सरकार ने इस साल मार्च में पेश बजट में पात्र महिलाओं को 2,500 रुपए प्रतिमाह प्रदान करने के लिए 5,100 करोड़ रुपए निर्धारित किए गए थे।

काजी निजामुद्दीन ने प्रदेश कांग्रेस कमेटी के एक कार्यक्रम में कहा, ''दिल्ली चुनाव में भाजपा ने यहां की जनता से जो वादे किए थे, वो आज तक पूरे नहीं हुए हैं।'' उन्होंने कहा, ''भाजपा ने दिल्ली में महिलाओं को हर महीने 2,500 रुपए देने का वादा किया था। इसके साथ ही त्योहारों पर मुफ्त रसोई गैस देने की भी बात की गई थी- ये वादे आज तक पूरे नहीं किए गए हैं।'' निजामुद्दीन ने आरोप लगाया कि भाजपा जनता को धोखा दे रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा और आम आदमी पार्टी दोनों जनता से सिर्फ झूठे वादे करते हैं। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने कहा, ''हम आपसे ये बातें (दिल्ली सरकार के वादों पर) जनता के बीच जाकर करना चाहते थे, लेकिन दिल्ली की सरकार ने हमें इजाजत नहीं दी।''

सबको लगने लगा है कि निर्वाचन आयोग 'सत्तारूढ़ दल का औजार' बनकर रह गया है : तन्खा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंदौर (मध्यप्रदेश)/भाषा। देश में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर निर्वाचन आयोग पर हड़बड़ी मचाने का आरोप लगाते हुए कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य विवेक तन्खा ने मंगलवार को कहा कि सबको लगने लगा है कि यह संवैधानिक निकाय 'सत्तारूढ़ दल का औजार' बनकर रह गया है।

तन्खा ने इंदौर में 'पीटीआई-भाषा' से कहा कि देश में मतदाताओं की बेहद बड़ी तादाद के मद्देनजर आखिर 30 दिन के भीतर एसआईआर की प्रक्रिया कैसे पूरी हो सकती है? उन्होंने कहा,''एसआईआर के काम में लगे कई बूथस्तरीय अधिकारियों (बीएलओ) की दिल के दौरे से मौत हो रही है। एसआईआर को लेकर इतनी जल्दबाजी क्यों की जा रही है? एसआईआर की प्रक्रिया पूरी करने के लिए तीन महीने या चार महीने का वक्त भी तय किया जा सकता था। तन्खा ने कहा,''निर्वाचन आयोग इस तरह की हड़बड़ी मचाकर आखिर क्या साबित करना चाहता है? आयोग एक संवैधानिक निकाय है और उसे पूरा देश सम्मान की निगाह से देखता है। लेकिन वह ऐसी हरकत करेगा, तो लोग उस पर विश्वास कैसे करेंगे?'' कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य ने कहा,''ऐसा कतई नहीं लगना चाहिए कि आयोग एक सियासी पार्टी के कहने पर यह सब कर रहा है, लेकिन बड़े अफसोस की बात है कि आज की परिस्थितियों में सबको लगने लगा है कि आयोग सत्तारूढ़ दल का औजार बनकर रह गया है।''

'प्रधानमंत्री के विकास के एजेंडे के अनुसार काम करने वाले नेताओं को चुनें'

अमरावती/भाषा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि उनकी सरकार सिर्फ आश्वासन नहीं देती बल्कि उन्हें पूरा भी करती है। उन्होंने लोगों से ऐसे पार्षदों और नेताओं को चुनने की अपील की जो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकास के एजेंडे के अनुसार काम करेंगे। अमरावती जिले के धरनी कस्बे में चुनावी रैली को संबोधित करते हुए फडणवीस ने राज्य के सभी नगर निगमों व ज़िला परिषदों में विभिन्न विकास पहल और कल्याणकारी योजनाओं का ज़िक्र किया। उन्होंने कहा कि अगर लोग चाहते हैं कि उनके शहरों में सभी विकास और कल्याणकारी योजनाएं पारदर्शी तरीके से लागू हों, तो उन्हें भाजपा का समर्थन करना होगा।

समुद्र से दूर राज्यों को निर्यात संवर्धन मिशन के तहत विशेष सहायता मिलेगी: गोयल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने मंगलवार को कहा कि हाल ही में मंजूर 25,060 करोड़ रुपए के निर्यात संवर्धन मिशन में समुद्र से दूर स्थलरुद्ध राज्यों को विशेष सहायता दी जाएगी। उन्होंने कहा कि इसमें निर्यात क्षेत्र में प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने के लिए लक्षित योजनाएं शामिल की जाएंगी। मंत्री ने निर्यात बढ़ाने के लिए मजबूत केंद्र-राज्य साझेदारी की बात भी कही।

वाणिज्य मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि गोयल यहां चौथी व्यापार बोर्ड (बीओटी) बैठक में बोल रहे थे। बीओटी का पुनर्गठन 2019 में किया गया था और यह बोर्ड विदेश व्यापार नीति से संबंधित नीतिगत उपायों पर शीर्ष सलाहकार निकाय के रूप में काम करता है। उन्होंने कहा कि राज्यों से मिले सुझावों के आधार पर मंत्रालय संबंधित एजेंसियों के साथ मिलकर उभरती चुनौतियों का प्रभावी और समयबद्ध समाधान निकालेगा। गोयल ने बताया कि निर्यात संवर्धन मिशन के तहत स्थलरुद्ध राज्यों को निर्यात क्षेत्र में प्रतिस्पर्धी क्षमता बढ़ाने के लिए लक्षित योजनाएं शामिल की जाएंगी। ऊंचे अमेरिकी शुल्कों से निर्यातकों को राहत दिलाने और व्यापार मोर्चे पर वैश्विक अनिश्चितताओं से निपटने के लिए सरकार ने 12 नवंबर को 2025-26 से शुरू होने वाले छह वित्त वर्षों के लिए 25,060 करोड़ रुपए की निर्यात संवर्धन मिशन को मंजूरी दी थी। यह मिशन दो उप-योजनाओं निर्यात प्रोत्साहन (10,401 करोड़ रुपए) और निर्यात दिशा (14,659 करोड़ रुपए) के माध्यम से लागू किया जाएगा।

गोयल ने दोहराया कि भारत की निर्यात नीति अब बाजार विविधीकरण, लॉजिस्टिक सुधार, एमएसएमई सशक्तीकरण और तकनीक अपनाने पर केंद्रित है।

कर संग्रह सहज प्रक्रिया होनी चाहिए ताकि करदाता को कम से कम दिक्कत हो: मुर्मू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को कहा कि कर संग्रह एक सुचारु प्रक्रिया होनी चाहिए जिससे करदाता को कम से कम परेशानी हो। राष्ट्रपति भवन में मुलाकात करने आए भारतीय राजस्व सेवा (सीमा शुल्क और अप्रत्यक्ष कर) के प्रशिक्षु अधिकारियों को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने उनसे ऐसी व्यवस्था बनाने पर जोर दिया जो पारदर्शी, जवाबदेह और प्रौद्योगिकी-संचालित हो। मुर्मू का कहना था कि राष्ट्र निर्माण के लिए राजस्व संग्रह महत्वपूर्ण है।

राष्ट्रपति ने कहा, ''यह वह राजस्व है जो बुनियादी ढांचे, शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक कल्याण को वित्तपोषित करता है। इसलिए, आप भारत की राष्ट्र-निर्माण प्रक्रिया में सक्रिय भागीदार हैं। लेकिन, कर संग्रह ऐसी सुचारू प्रक्रिया होनी चाहिए जिसमें करदाता को न्यूनतम असुविधा हो।'' उन्होंने कहा, ''कृपया याद रखें कि अर्थशास्त्र में चाणक्य ने कर संग्रह के बारे में क्या कहा था - एक सरकार को मधुमक्खी की तरह कर एकत्र करना चाहिए, जो फूलों को नुकसान पहुंचाए बिना रस एकत्र करती है।''

राष्ट्रपति ने कहा कि इस साल सितंबर में पेश किए गए हालिया वस्तु एवं सेवा कर सुधार भारत की कराधान प्रणाली को नया आकार देने में एक ऐतिहासिक कदम का प्रतिनिधित्व करते हैं। मुर्मू का कहना था, ''ये सुधार उद्यमिता, रोजगार सृजन और किफायती जीवन के लिए एक सक्षम वातावरण बनाने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं। ये सुधार भारत के समावेशी विकास, स्थिरता और अगली पीढ़ी के सशक्तीकरण के दृष्टिकोण को मजबूत करते हैं। उन्होंने अधिकारियों से यह सुनिश्चित करने को कहा कि कराधान विश्वास और निष्पक्षता के सेतु के रूप में काम करे, न कि किसी अवरोधक के रूप में। मुर्मू ने कहा, ''राजस्व सेवा अधिकारी के रूप में आप कई भूमिकाएं निभाएंगे, प्रशासक, जांचकर्ता, व्यापार के सुविधाप्रदाता और कानून प्रवर्तक के तौर पर। आप भारत की आर्थिक सीमाओं के प्रहरी हैं, तस्करी, वित्तीय धोखाधड़ी और अवैध व्यापार के खिलाफ देश की रक्षा करते हुए वैध वाणिज्य और वैश्विक व्यापार साझेदारी की सुविधा प्रदान करते हैं।

राष्ट्रपति ने कहा कि राजस्व सेवा अधिकारियों की भूमिका में प्रवर्तन और सुविधा के बीच एक संवेदनशील संतुलन की जरूरत होती है। मुर्मू ने कहा, ईमानदारी और निष्पक्षता आपके पेशेवर आचरण की बुनियाद बनी रहनी चाहिए। युवा अधिकारियों से नवीन, विश्लेषणात्मक और तकनीकी रूप से कुशल होने की उम्मीद की जाती है। मैं आपसे कर प्रशासन को अधिक कुशल और नागरिक-अनुकूल बनाने के लिए डेटा-संचालित निर्णय लेने, स्वचालन और डिजिटल प्रशासन को अपनाने का आग्रह करती हूं। उन्होंने उनसे अपने ज्ञान को लगातार उन्नत करने और वैश्विक व्यापार, प्रौद्योगिकी और अर्थशास्त्र में तेजी से हो रहे बदलावों को अपनाने का आह्वान भी किया। राष्ट्रपति ने कहा, आप 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में जारी हमारी यात्रा का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। उद्यमशीलता, अनुपालन और निवेश को प्रोत्साहित करने वाला एक स्थिर, निष्पक्ष और सुविधाजनक कर पारिस्थितिकी तंत्र प्रदान करके 'आत्मनिर्भर भारत' के दृष्टिकोण को साकार करने में आपकी अभिन्न भूमिका है।''

शिवसेना कार्यकर्ता लोगों को धमका रहे, गुंडों की तरह काम कर रहे: भाजपा सांसद खडसे

मुंबई/भाषा। केंद्रीय मंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सांसद रक्षा खडसे ने मंगलवार को आरोप लगाया कि उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के कार्यकर्ता जलगांव जिले के मुक्ताईनगर विधानसभा क्षेत्र में लोगों को डरा-धमका रहे हैं।

उनका यह दावा 'महायुति' के दोनों सहयोगियों के बीच तनाव को उजागर करता है। खडसे ने संवाददाताओं से कहा, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के कार्यकर्ताओं को देखिए। वे लोगों पर दबाव बढ़ा रहे हैं। इसके खिलाफ आवाज उठाना मेरी जिम्मेदारी है।

रावेर सीट से सांसद खडसे ने आरोप लगाया कि शिंदे गुट गैरकानूनी कृत्यों में शामिल लोगों को बढ़ावा दे रहा है। खेल एवं युवा मामलों की राज्य मंत्री ने कहा, वे गुंडों की तरह काम कर रहे हैं और लोगों पर दबाव बना रहे हैं। मेरी बेटी को भी इसका खामियाजा भुगतना पड़ा है। मुक्ताईनगर विधानसभा क्षेत्र पारंपरिक रूप से भाजपा का गढ़ रहा है, लेकिन अब यह शिंदे खेमे के पास चला गया है। खडसे ने याद दिलाया कि उनके ससुर एकनाथ खडसे ने भाजपा के सदस्य रहते हुए इस सीट से कई बार जीत हासिल की थी। शिवसेना उम्मीदवार चंद्रकांत पाटिल ने 2024 के चुनावों में मुक्ताईनगर विधानसभा क्षेत्र से जीत हासिल की थी।

गुरु तेग बहादुर के नाम पर आनंदपुर साहिब में बनेगा विश्वस्तरीय विश्वविद्यालय: मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

आनंदपुर साहिब/भाषा। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने मंगलवार को घोषणा की कि गुरु तेग बहादुर के नाम पर यहां एक विश्वस्तरीय विश्वविद्यालय स्थापित किया जाएगा। मान गुरु तेग बहादुर के 350वें शहीदी दिवस के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

इससे पहले आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने मान से आनंदपुर साहिब में विश्वस्तरीय शैक्षणिक संस्थान स्थापित करने का आग्रह किया था। मान ने अमृतसर, बठिंडा जिले के तलवंडी साबो और रूपनगर जिले के आनंदपुर साहिब स्थित गुरुद्वारों के दर्शन के लिए मुफ्त ई-रिक्शा या मिनी बस सेवा शुरू करने की भी घोषणा की। उन्होंने कहा कि इन मुफ्त सेवाओं पर आने वाला खर्च राज्य सरकार वहन करेगी। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि आनंदपुर साहिब में एक 'धरोहर सड़क' (हेरिटेज स्ट्रीट) भी बनाई जाएगी।

पंजाब विधानसभा ने सोमवार को सर्वसम्मति से एक प्रस्ताव पारित कर रूपनगर जिले के आनंदपुर साहिब, बठिंडा के तलवंडी साबो और अमृतसर में स्वर्ण मंदिर के आसपास के इलाके को पवित्र शहर घोषित किया।

मान ने सोमवार को कहा था कि इन शहरों में मांस, शराब, तंबाकू और अन्य नशीले पदार्थों की बिक्री और उपयोग पर रोक रहेगा।

इससे पहले, मान और केजरीवाल ने गुरु तेग बहादुर और महान सिख शहीदों भाई मति दास, भाई सती दास और भाई दयाला की 350वीं शहादत के मौके पर गुरुद्वारा बाबा बुड्ढा दल छावनी में आयोजित श्री अखंड पाठ साहिब के भोग के बाद अरदास (प्रार्थना) में भाग लिया।

पंजाब सरकार नौवें सिख गुरु की 350वीं शहादत पर 23-25 नवंबर तक विभिन्न कार्यक्रम आयोजित कर रही है।

छत्तीसगढ़ में निजी स्कूल की शिक्षिका ने दंडित करने के लिए छात्र को पेड़ से लटकाया,स्कूल को नोटिस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सूरजपुर/भाषा। छत्तीसगढ़ के सूरजपुर जिले के एक निजी स्कूल में पांच वर्षीय छात्र को उसकी शिक्षिका ने दंडित करने के लिए कथित तौर पर पेड़ से लटका दिया। इस घटना को लेकर अधिकारियों ने स्कूल प्रशासन को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि घटना के बाद शिक्षिका को स्कूल से निकाल दिया गया है। इस घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। वीडियो में देखा जा सकता है कि पंच वर्षीय बच्चे को उसकी टी-शर्ट में रस्सी बांधकर पेड़े की एक टहनी से लटकाया गया है। मौके पर दो महिलाएं मौजूद हैं, जो इसे रिकॉर्ड कर रहे व्यक्ति को डांट रही हैं। सोमवार को स्कूल के 'केजी-टू' के एक छात्र के इस वीडियो के सामने आने के बाद सूरजपुर के जिला शिक्षा अधिकारी (डीईओ) अजय मिश्रा ने बताया कि रामानुज नगर ब्लॉक के नारायणपुर गांव में स्थित स्कूल में शिक्षा विभाग के दल को तत्काल जांच के लिए भेजा गया है। मिश्रा ने बताया कि सोमवार शाम को मिली शुरुआती जांच रिपोर्ट के आधार पर स्कूल प्रबंधन को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है तथा दो दिन में जवाब मांगा गया है। स्कूल का जवाब मिलने के बाद नियमों के मुताबिक आगे की कार्रवाई की जाएगी। स्कूल के संचालक सुभाष शिवहरे ने शिक्षिका की इस हरकत को सही ठहराने की कोशिश की और बताया कि शिक्षिका ने बच्चे को अनुशासित करने के लिए ऐसा किया था।

मादक पदार्थ जब्ती मामले में पुलिस के सामने पेश हुए अभिनेता सिद्धांत कपूर

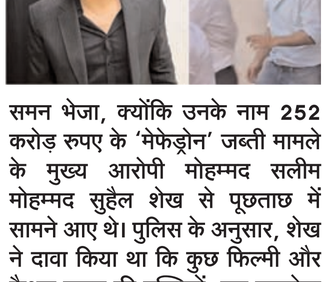

मुंबई/भाषा। बॉलीवुड अभिनेता-निर्देशक सिद्धांत कपूर, मादक पदार्थ जब्ती मामले में अपना बयान दर्ज कराने के लिए मंगलवार को मुंबई पुलिस के समक्ष पेश हुए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि अभिनेता शक्ति कपूर के पुत्र और अभिनेत्री श्रद्धा कपूर के भाई सिद्धांत यहां मादक पदार्थ रोधी प्रकोष्ठ की घाटकोपर इकाई में पहुंचे, जहां जांच अधिकारियों ने उनका बयान दर्ज किया। एएनसी ने सिद्धांत को बयान दर्ज कराने के लिए मंगलवार को जबकि उनके अलावा सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर ओरहान अवत्रामणि उर्फ ओरी को 26 नवंबर को तलब किया है। मादक पदार्थ रोधी प्रकोष्ठ की घाटकोपर इकाई ने बॉलीवुड की दो हस्तियों को समन भेजा, क्योंकि उनके नाम 252 करोड़ रुपए के 'मेफेड्रोन' जब्ती मामले के मुख्य आरोपी मोहम्मद सलीम मोहम्मद सुहैल शेख से पूछताछ में सामने आए थे। पुलिस के अनुसार, शेख ने दावा किया था कि कुछ फिल्मी और फैशन जगत की हस्तियों, एक राजनेता और भगोड़े गैंगस्टर दाऊद इब्राहिम के एक रिश्तेदार ने भारत तथा विदेश में उसके द्वारा आयोजित रेव पार्टियों में हिस्सा लिया था।

परेशान किसानों की मदद न करना माफ़ न करने लायक जुर्म है : विजयेंद्र येडीयुरप्पा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दावणगेरे। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक विजयेंद्र येडीयुरप्पा ने कहा कि हमने आज किसान विरोधी कांग्रेस सरकार के खिलाफ संघर्ष शुरू किया है। उन्होंने कहा कि परेशान किसानों की मदद न करना माफ़ न करने लायक जुर्म है। मंगलवार को यहां एक विरोध प्रदर्शन के दौरान मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि रैयत मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष नाडहल्ली, राज्य के वरिष्ठ नेता सी.टी. रवि, नेता रेणुकाचार्य, मदल विरुपाक्षप्पा और ज़िले के नेता एक साथ विरोध प्रदर्शन में हिस्सा ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्य की बुरी किसान विरोधी कांग्रेस सरकार किसानों की समस्याओं पर ध्यान नहीं दे रही है; गन्ना किसानों की समस्या का समाधान नहीं हुआ है।

मक्का उगाने वाले किसान संघर्ष कर रहे हैं। लक्ष्मेश्वर में संघर्ष चल रहा है। किसान नेता शंकरन्ना अंबाली नवलगुंद में भूख हड़ताल पर हैं। बागलकोट और शिवमोग्गा समेत कई ज़िलों में संघर्ष चल रहा है। भाजपा नेता विजयेन्द्र येडीयुरप्पा ने राज्य सरकार पर गन्ना और मक्का किसानों की चिंताओं का समाधान करने में विफल रहने का आरोप लगाया। विजयेंद्र के अनुसार, मक्का दावणगेरे, बेलगावी, शिवमोग्गा, बेल्लारी, विजयपुरा, हावेरी, चित्रदुर्गा, तुमकुरु और अन्य जिलों में व्यापक रूप से उगाया जाता है और सरकार की निष्क्रियता उत्पादकों के साथ अन्याय है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने राज्य भर के किसानों की ओर से आंदोलन शुरू करने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि 27 और 28 नवंबर को सभी विधानसभा क्षेत्रों में और 1 और 2 दिसंबर को जिला केंद्रों में विरोध प्रदर्शन किए जाएंगे।

इस सरकार को जगाने और गन्ना, मक्का और धान किसानों की चिंताओं को दूर करने के लिए मंगलवार को दावणगेरे में एक विशाल विरोध प्रदर्शन आयोजित किया गया है। किसान मक्के के लिए 3,000 रुपये प्रति क्विंटल के समर्थन मूल्य की मांग कर रहे हैं और सरकार से खरीद केंद्र शुरू करने का आग्रह कर रहे हैं। इससे पहले, एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए, उन्होंने किसानों, गन्ना किसानों और मक्का किसानों की समस्याओं पर ध्यान न देने के लिए राज्य सरकार की आलोचना की। उन्होंने घोषणा की कि सरकार को अलर्ट करने के मकसद से यहां विरोध प्रदर्शन शुरू किया जा रहा है।

कर्नाटक में नेतृत्व परिवर्तन ऐसा मुद्दा नहीं, जिस पर सार्वजनिक रूप से चर्चा की जाए : खरगे

नई दिल्ली/बेंगलूरु। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मंगलवार को कहा कि कर्नाटक में नेतृत्व परिवर्तन कोई ऐसा मुद्दा नहीं है कि जिस पर सार्वजनिक रूप से चर्चा की जाए। संविधान दिवस समारोह में भाग लेने के लिए दिल्ली लौटे खरगे ने संवाददाताओं से कहा, यह यहां चर्चा करने का विषय नहीं है और वह भी सार्वजनिक रूप से। मैं विशेष रूप से 26 नवंबर को संविधान दिवस से संबंधित एक कार्यक्रम में भाग लेने के लिए यहां आया हूं। मेरे पास कार्यक्रम के लिए निमंत्रण है। कार्यक्रम में भाग लेने के बाद मुझे समीक्षा बैठकों में शामिल होना है। इसके बाद मैं आगे बढ़ूंगा। राहुल गांधी से उनकी संभावित मुलाकात के बारे में पूछे जाने पर राज्यसभा में विपक्ष के नेता ने कहा, आप सभी जानते हैं कि पार्टी अध्यक्ष कहीं और चर्चा नहीं करते हैं। अगर मुलाकात होगी तो हम चर्चा करेंगे। दिल्ली रवाना होने से पहले, खरगे के साथ उप मुख्यमंत्री डी के शिवकुमार उनकी कार में बेंगलूरु हवाई अड्डे तक गए। कांग्रेस सरकार के 20 नवंबर को अपने पांच साल के कार्यकाल के आधे पड़ाव पर पहुंचने के बाद सत्तारूढ़ दल के भीतर सत्ता को लेकर खींचतान तेज हो गई है। राज्य में मुख्यमंत्री बदलने की अटकलों के बीच सत्तारूढ़ पार्टी के भीतर शक्ति संघर्ष तेज हो गया है। 20 नवंबर को कांग्रेस सरकार के अपने पांच वर्षीय कार्यकाल के ढाई साल पूरा होने के बाद यह चर्चा और तेज हो गई है, क्योंकि 2023 में मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या और शिवकुमार के बीच कथित सत्ता साझेदारी समझौते का दावा किया जा रहा है। सिद्दरामय्या ने हाल ही में कहा था कि वह पूरे पांच साल के कार्यकाल के लिए मुख्यमंत्री बने रहेंगे और भविष्य में राज्य का बजट पेश करना जारी रखेंगे। शिवकुमार ने मंगलवार को कहा कि वह मुख्यमंत्री बदलने के मुद्दे पर सार्वजनिक तौर पर बात नहीं करना चाहते, क्योंकि यह पार्टी में चार–पांच लोगों के बीच एक गुप्त समझौता है, और उन्हें अपनी अंतरात्मा पर भरोसा है।

दक्षिण पश्चिम रेलवे

निविदा सूचना सं. 27/SBC/25, दिनांक: 14.11.2025

भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं:

क्र.सं.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत
1	बेंगलूरु विभाग (एसबीसी): एसएसई/पी.वे/बेंगलूरु विभाग में पर्मनेंट वे रखरखाव अनुबंध।	रु. 5,44,80,188/-
2	बेंगलूरु विभाग (डब्ल्यूएफडी): एसएसई/पी.वे/व्हाईटफील्ड विभाग में पर्मनेंट वे रखरखाव अनुबंध।	रु. 6,22,30,640/-
3	बेंगलूरु विभाग (बीडब्ल्यूटी): एसएसई/पी.वे/बंगारपेट विभाग में पर्मनेंट वे रखरखाव अनुबंध।	रु. 4,37,33,001/-
4	बेंगलूरु विभाग (केपीएन): एसएसई/पी.वे/कुप्पम विभाग में पर्मनेंट वे रखरखाव अनुबंध।	रु. 4,96,68,240/-
5	बेंगलूरु विभाग (केक्यूझड): एसएसई/पी.वे/कोलार विभाग में पर्मनेंट वे रखरखाव अनुबंध।	रु. 5,66,31,732/-
6	बेंगलूरु विभाग (एमवायए): एसएसई/पी.वे/मंड्या विभाग में पर्मनेंट वे रखरखाव अनुबंध।	रु. 5,09,70,880/-
7	बेंगलूरु विभाग (केजीआई): एसएसई/पी.वे/कैंगेरी विभाग में पर्मनेंट वे रखरखाव अनुबंध।	रु. 4,46,87,498/-
8	उप कार्य-1: केएसआर बेंगलूरु: नंदी क्लब में विभिन्न सुविधाएं के लिए प्रस्तावित सुधार कार्य। उप कार्य-2: बेंगलूरु - येलियूरु विभाग: बेंगलूरु - येलियूरु विभाग पर एसएम ओं के लिए शौचालयों का प्रावधान - हनकेरे (एचएनके), शेट्टिहल्ली (एसईटी), हेज्जाला (एचजीएल) और नायंडहल्ली (एनवायएच) स्टेशनों। रखरखाव की अवधि 6 महिने या एक मानसून अवधि इसमें जो बाद में होगा।	रु. 1,04,43,685/-
9	बेंगलूरु विभाग: वॉटर कूलरों का प्रावधान - केएसएर बेंगलूरु (एसबीसी) - 14 नं., यलहंका (वायएनएके) - 9 नं., बिडडी (बीआईडी) - 1 नं., चांपियन (सीएचयू) - 1 नं., कोरमंडल (सीओएल) - 1 नं. और ऊरिगाम (ओजीएम) - 1 नं. (कुल - 27 नं.) रखरखाव की अवधि 6 महिने या एक मानसून अवधि इसमें जो बाद में होगा।	रु. 31,87,663/-

निविदाओं जमा करने की अंतिम तिथि: 10.12.2025, 15:00 बजे तक

विवरण के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in में

PUB/665/AAF/PRB/SWR/2025-26 वरिष्ठ विभागीय इंजीनियर / समन्वय / बेंगलूरु

अनारक्षित टिकटों की बुकिंग में आसानी के लिए गूगल प्ले स्टोर से यूटीएस मोबाइल ऐप डाउनलोड करें

South Western Railway - SWR | SWRRLY | SWRAILWAYHQ | sw_railways

दक्षिण पश्चिम रेलवे

भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं:

ई-निविदा सूचना सं: Y/E.29/2025-26/62
दिनांक: 13.11.2025

कार्य का नाम	अनुमानित लागत
मैसूरु विभाग पर 3 वर्ष की अवधि के लिए एयर कंडीशनरों का वार्षिक रखरखाव अनुबंध।	रु. 29,22,739.44

निविदाओं जमा करने की अंतिम तिथि: 04.12.2025, 11:00 बजे तक

ई-निविदा सूचना सं: Y/E.29/2025-26/63
दिनांक: 13.11.2025

कार्य का नाम	अनुमानित लागत
हासन - मंगलूरु विभाग: कनियूरु - नरिमोगारू स्टेशनों के बीच किमी. 129/000-100 पर ब्रिज सं. 473 (1x 7.310 मी) में 1x 7.50x 4.650 मी. माप का आरसीसी बॉक्स से मौजूदा शालोव टाईप गिर्डर का प्रतिस्थापन (रोलिंग/लांचिम विधि अनुसार)।	रु. 23,79,725.25

निविदाओं जमा करने की अंतिम तिथि: 04.12.2025, 11:00 बजे तक

ई-निविदा सूचना सं: Y/E.29/2025-26/64
दिनांक: 13.11.2025

कार्य का नाम	अनुमानित लागत
(पुनर-निविदा) सकलेशपुरा यार्ड पर रोड 4 एवं 5 के लिए फ्रेट ट्रेन का परीक्षण तहत चार अतिरिक्त पोर्टल लाईटों का प्रावधान।	रु. 15,35,806.00

निविदाओं जमा करने की अंतिम तिथि: 05.12.2025, 11:00 बजे तक

विवरण के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in में

वरिष्ठ विभागीय इलेक्ट्रिकल इंजीनियर जनरल/मैसूरु
PUB/669/AAF/PRB/SWR/2025-26

अनारक्षित टिकटों की बुकिंग में आसानी के लिए गूगल प्ले स्टोर से यूटीएस मोबाइल ऐप डाउनलोड करें

South Western Railway - SWR | SWRRLY | SWRAILWAYHQ | sw_railways

बेलगावी में विस सत्र से पहले नेतृत्व का मुद्दा सुलझाएं : विजयेंद्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दावणगेरे। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की कर्नाटक इकाई के अध्यक्ष विजयेंद्र येडीयुरप्पा ने मंगलवार को कहा कि ''राज्य कार्यवाहक या निवर्तमान मुख्यमंत्री'' नहीं चाहता है और उन्होंने सत्तारूढ़ कांग्रेस से आग्रह किया कि वह अगले महीने बेलगावी में शुरू होने वाले विधानसभा के शीतकालीन सत्र से पहले नेतृत्व विवाद सुलझा ले। विजयेंद्र ने कहा कि यदि सत्तारूढ़ पार्टी में अंदरूनी कलह जारी रही, तो सरकार सत्र के दौरान लोगों और किसानों की चिंताओं का समाधान करने में असमर्थ रहेगी। उन्होंने सुझाव दिया कि यदि कांग्रेस नेता नेतृत्व परिवर्तन के मुद्दे को सुलझाने में असमर्थ रहे, तो सत्र को स्थगित कर देना चाहिए। बीस नवंबर को कांग्रेस सरकार के पांच साल के कार्यकाल के आधे पड़ाव पर पहुंचने के बाद, सत्तारूढ़ दल के भीतर सत्ता संघर्ष तेज़ हो गया है।

विजयेंद्र ने यहां संवाददाताओं से कहा, ''आठ दिसंबर से बेलगावी में राज्य विधानमंडल का शीतकालीन सत्र शुरू होगा और लोग इस सत्र के दौरान राज्य, खासकर उत्तरी कर्नाटक क्षेत्र और किसानों के सामने आने वाले कई मुद्दों पर जवाब पाने के लिए बेचैनी से इंतजार कर रहे हैं। लेकिन मुख्यमंत्री की कुर्सी के लिए सत्तारूढ़ दल में प्रतिस्पर्धा जारी है।''

उन्होंने कहा, मैं मुख्यमंत्री से कहना चाहता हूं कि राज्य को कोई कार्यवाहक या निवर्तमान मुख्यमंत्री नहीं चाहिए। बेलगावी सत्र में आने से पहले, अपनी पार्टी में मुख्यमंत्री पद के लिए जारी खींचतान सुलझाएं। अगर सत्र के दौरान खींचतान जारी रही, तो आप किसानों और राज्य के मुद्दों पर न तो जवाब दे पाएंगे और न ही उनका समाधान कर पाएंगे। ऐसी परिस्थितियों में सत्र आयोजित करने के औचित्य पर सवाल उठाते हुए, उन्होंने सरकार से नेतृत्व के मुद्दे को सुलझाने के बाद तैयारी के साथ आने या सत्र स्थगित करने को कहा।

कांग्रेस आलाकमान को भ्रम पर विराम लगाना चाहिए : सिद्दरामय्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक में सत्तारूढ़ कांग्रेस के भीतर सत्ता संघर्ष को लेकर अटकलों के बीच मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने मंगलवार को कहा कि पार्टी आलाकमान को अंततः इस भ्रम को समाप्त करना चाहिए। सिद्दरामय्या ने दोहराया कि वह मुख्यमंत्री पद पर बदलाव संबंधी मुद्दे पर आलाकमान के फैसले का पालन करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि विधायक पार्टी नेतृत्व से मिलने और अपनी राय साझा करने के लिए स्वतंत्र हैं। मुख्यमंत्री बदलने की चर्चाओं के बीच सत्तारूढ़ पार्टी के भीतर सत्ता संघर्ष तेज हो गया है, जहां 2023 में सिद्दरामय्या और उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार से जुड़े एक कथित सत्ता–साझाकरण समझौते का हवाला दिया जा रहा है। कांग्रेस नीत सरकार अपने पांच साल के कार्यकाल का आधा सफर तय कर चुकी है।

शिवकुमार का समर्थन करने वाले विधायकों के एक समूह के दिल्ली जाने के बारे में पूछे गए सवाल पर सिद्दरामय्या ने कहा, उन्हें (विधायकों को) जाने दीजिए, विधायकों को स्वतंत्रता है। देखते हैं वे क्या राय देते हैं। अंततः, फैसला आलाकमान को करना है। हम आलाकमान की बात मानेंगे। विधायकों के एक वर्ग द्वारा आलाकमान से मामले पर विराम लगाने की अपील के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, वे (विधायक) जो भी कहना चाहते हैं, उन्हें आलाकमान से कहने दीजिए।

अंततः इस भ्रम को समाप्त करने के लिए आलाकमान को ही निर्णय लेना है। पार्टी सूत्रों ने सोमवार को बताया कि शिवकुमार का समर्थन करने वाले छह कांग्रेस विधायकों का एक समूह 23 नवंबर को शीर्ष नेताओं से मिलने के लिए नई दिल्ली गया था।

उन्होंने बताया कि शिवकुमार को मुख्यमंत्री बनाने की पैरवी के लिए जल्द ही कुछ और विधायकों के दिल्ली जाने की संभावना है।

दिशासूचक प्रणाली में निजी क्षेत्र की भागीदारी से विकसित भारत के दृष्टिकोण को बल मिलेगा : इसरो प्रमुख

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अध्यक्ष वी नारायणन ने मंगलवार को कहा कि वह निजी कंपनियों को अंतरिक्ष यान और रक्षा क्षेत्र के लिए दिशासूचक प्रणाली बनाने के जटिल काम में आगे आते देखकर प्रसन्न हैं। उन्होंने कहा कि निजी कंपनियों के प्रयास प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के दृष्टिकोण का समर्थन करेंगे। उन्होंने कहा कि दिशासूचक प्रणालियां अत्यधिक जटिल और महत्वपूर्ण हैं, जिन्हें इसरो अकेले विकसित नहीं कर सकता।

नारायणन ने कहा, जब हम विकसित भारत 2047 की बात करते हैं, तो यह सुनिश्चित करना हमारी ज़िम्मेदारी है कि किसी भी तरह के आयात की आवश्यकता न पड़े। दिशासूचक प्रणालियां बनाने का काम बहुत ही महत्वपूर्ण है, और इसरो अकेले इसे विकसित नहीं कर सकता। इसलिए मुझे बेहद खुशी है कि तिरुवनंतपुरम में अनंत टेक्नोलॉजीज़ ने इस क्षेत्र में प्रवेश किया है। वह यहां किनफ्रा पार्क में हैदराबाद स्थित अनंत टेक्नोलॉजीज द्वारा नेविगेशन में उत्कृष्टता केंद्र का उद्घाटन करने के बाद मीडिया से बात कर रहे थे। अनंत टेक्नोलॉजीज इसरो, डीआरडीओ (रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन) और ब्रह्मोस जैसे संगठनों के साथ मिलकर काम कर रही कंपनी है। भारत अंतरिक्ष अभियानों और मिसाइल एवं रक्षा प्रणालियों, दोनों के लिए आयातित दिशासूचक तकनीक पर बहुत अधिक निर्भर रहा है। उन्होंने कहा कि तकनीक के स्वदेशी विकास से लागत में काफ़ी कमी आएगी।

इसरो अध्यक्ष ने कहा, विकास के स्तर पर, लागत अन्य देशों के बराबर होगी, क्योंकि केवल एक या दो इकाइयां ही बनाई जाती हैं, और इसमें बहुत सारा काम शामिल होता है। लेकिन उत्पादन के चरण में, मेरा मानना है कि लागत में भारी गिरावट आएगी।

तमिलनाडु की राजनीति क्षेत्रवाद नहीं बल्कि 'तमिल विशिष्टतावाद' है : राज्यपाल रवि

चेन्नई। तमिलनाडु के राज्यपाल आर एन रवि ने कहा कि राज्य की राजनीति क्षेत्रवाद नहीं है, बल्कि यह मूल रूप से ''तमिल विशिष्टतावाद'' है, जो इस बात पर जोर देता है कि तमिल भाषा अन्य भाषाओं से ''भिन्न'' है। राज्यपाल ने कहा, यह तमिल विशिष्टतावाद अन्य भाषाओं के प्रति नफरत के रूप में सामने आता है, यहां तक कि वह भाषाएं भी जो द्रविड़ भाषा परिवार से जुड़ी हैं जैसे तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम। यह केवल हिंदी तक सीमित नहीं है।''

उन्होंने यह भी आलोचना की कि तमिल नेता वास्तव में तमिल भाषा से प्रेम नहीं करते क्योंकि उन्होंने तमिल भाषा या तमिल संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए कुछ खास नहीं किया है।

OFFICE OF THE REGIONAL RESEARCH INSTITUTE OF UNANI MEDICINE, CHENNAI- 600 013)
(An autonomous Organization under Ministry of Ayush, Govt of India)
No. 1, West Mada Church Road, Royapuram, Chennai - 13
(NABH & NABL accredited)

TENDER NOTIFICATION

On behalf of the Director General, CCRUM, New Delhi, the Deputy Director, RRIUM, Chennai invites sealed Tender Quotations from reputed firms in two-bid system (Technical bid and Commercial bid) for the supply of Crude / Raw drugs and materials. The detailed list of raw drugs and materials and terms and conditions can either be downloaded from CCRUM website and RRIUM Website or may be obtained from the Office of the Deputy Director, Regional Research Institute of Unani Medicine, No.1, West Mada Church Road, Royapuram,
Chennai - 600 013.
The last date for receipt of Tender/Quotations is 11 th December 2025, 04.00p.m. For details, please visit CCRUM website www.ccrum.res.in or www.rriumchennai.org

Deputy Director
RRIUM, Chennai

भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण
(सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय)
जी-5 एवं 6, सेक्टर-10, द्वारका, नई दिल्ली-110075

30 सितम्बर, 2025 को समाप्त तिमाही के लिए अनंकेक्षित वित्तीय परिणाम
(सेबी के परिपत्र सं. सेबी/एचओ/डीडीएचएस_डीआईवी1/पी/सीआईआर/2022/0000000103 दिनांक 29 जुलाई, 2022 के अनुसार)

(₹ लाख में)

क्र. सं.	विवरण	समाप्त तिमाही		समाप्त वर्ष
		30th सितम्बर, 2025	30th सितम्बर, 2024	31st मार्च, 2025
		अनंकेक्षित	अनंकेक्षित	अनंकेक्षित
1.	प्रचालनों से कुल आय*	मान्य नहीं	मान्य नहीं	मान्य नहीं
2.	अवधि के लिए शुद्ध लाभ / (हानि) (पिछली अवधि, कर, असाधारण एवं अथवा विशिष्ट मदों से पूर्व)	(1,22,789.13)	(19,618.04)	(39,31,437.21)
3.	कर पूर्व अवधि के लिए शुद्ध लाभ / (हानि) (असाधारण एवं अथवा विशिष्ट मदों के बाद)	(1,24,042.88)	(20,736.10)	(39,35,483.75)
4.	कर पश्चात् अवधि के लिए शुद्ध लाभ / (हानि) (असाधारण एवं अथवा विशिष्ट मदों के बाद)	(1,24,042.88)	(20,736.10)	(39,35,483.75)
5.	अवधि के लिए कुल व्यापक आय (अवधि के लिए लाभ / (हानि) (कर पश्चात) तथा अन्य व्यापक आय (कर पश्चात)**	(1,24,042.88)	(20,736.10)	(39,35,483.75)
6.	प्रदत्त इक्विटी शेयर पूंजी (शेयरधारकों की निधि)***	11,06,47,528.85	8,15,42,994.62	9,85,64,670.89
7.	संचित कोष (पुनर्मूल्यांकन संचित कोष को छोड़कर)	7,65,320.41	मान्य नहीं	7,22,082.53
8.	सिक्योरिटीज प्रीमियम खाता	मान्य नहीं	मान्य नहीं	मान्य नहीं
9.	नेटवर्थ (6+7)	11,14,12,849.26	8,15,42,994.62	9,92,86,753.42
10.	प्रदत्त ऋण पूंजी / बकाया ऋण	2,40,45,059.94	3,17,17,069.72	2,44,60,647.30
11.	बकाया प्रतिदेय अधिमान्य शेयर्स	मान्य नहीं	मान्य नहीं	मान्य नहीं
12.	ऋण इक्विटी अनुपात****	0.22	0.39	0.25
13.	प्रति शेयर अर्जन (प्रत्येक ₹ ...... /- का) (निरंतरता एवं गैर–निरंतरता प्रचालनों हेतु)– 1. बेसिक 2. डायल्यूटेड	मान्य नहीं	मान्य नहीं	मान्य नहीं
14.	पूंजी विमोचन संचित कोष	मान्य नहीं	मान्य नहीं	मान्य नहीं
15.	डिबेंचर विमोचन संचित कोष	मान्य नहीं	मान्य नहीं	मान्य नहीं
16.	ऋण सेवा कवरेज अनुपात	मान्य नहीं	मान्य नहीं	मान्य नहीं
17.	ब्याज सेवा कवरेज अनुपात	मान्य नहीं	मान्य नहीं	मान्य नहीं

* प्राधिकरण के पास भारत सरकार की ओर से परिसंपत्तियां है, इसलिए संचालनों से कोई आय नहीं है।
** प्राधिकरण की लेखा नीति के आधार पर व्ययों को पूंजीकृत किया गया है।
*** शेयरधारकों की निधि = पूंजी आधार, उप कर निधि, अतिरिक्त बजटीय समर्थन, इनवीट से आय, टोल प्लाजाओं के रखरखाव व्यय तथा रिजर्व और अधिशेष/लाभ एवं हानि खाते के बकाया ऋण की कटौती के पश्चात जमा टोल की वापसी के बाद की कुल राशि।
**** ऋण इक्विटी अनुपात = बकाया ऋण / शेयरधारकों की निधि।
क) उपरोक्त विवरण एलओडीआर नियम के विनियम 52 के तहत स्टॉक एक्सचेंजों में दर्ज तिमाही / वार्षिक वित्तीय परिणामों के विस्तृत प्रारूप का सारांश है। तिमाही / वार्षिक वित्तीय परिणामों का पूर्ण प्रारूप बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज एवं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज की वेबसाइट (www.bseindia.com एवं www.nse.india.com) तथा भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण की वेबसाइट (www.nhai.gov.in) पर उपलब्ध है।
ख) एलओडीआर नियम के विनियम 52 (4) में संदर्भित अन्य लाइन मदों के लिए बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज एवं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज को उचित उद्घोषणा कर दी गई है तथा जो वेबसाइट (www.bseinida.com एवं www.nse.india.com) पर देखी जा सकती है।

प्राधिकरण के बोर्ड के लिए एवं की ओर से

दिनांक: 25.11.2025 ह./- ह./-
स्थान: नई दिल्ली सदस्य (वित्त) अध्यक्ष

सड़कें ही नहीं, राष्ट्र का निर्माण भी

जोधपुर में अति करीबी अंसारी ने ही गहलोत की मुखालफत में उठाई आवाज, समर्थकों ने किया पलटवार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर। राजस्थान कांग्रेस में बीते 24 घंटों से असामान्य हलचल है। ऋशहश्रीं बनाम झळश्रीं विवाद शांत होने के बाद भी अचानक उठा यह नया तूफान पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के बेहद करीबी रहे जोधपुर के वरिष्ठ कांग्रेसी नेता सैयद अंसारी की सोशल मीडिया पोस्ट से शुरू हुआ है। अंसारी ने खुले आरोप लगाए हैं कि गहलोत मुसलमानों का सिर्फ वोट बैंक की तरह उपयोग करते हैं, लेकिन उन्हें जीतने लायक समर्थन नहीं देते। हालांकि कुछ लोगों ने अंसारी की भी आलोचना करते हुए कहा कि अंसारी का वजूद भी गहलोत की वजह से ही था। जब दूसरे को मौका मिला तो विरोध में खड़े हो गए।

अंसारी का यह बयान इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि वे लगभग डेढ़ दशक तक गहलोत के भरोसेमंद माने जाते रहे। जोधपुर शहर और सूरसागर सीट से वे तीन बार चुनाव लड़ चुके हैं, हालांकि जीत नहीं पाए। बावजूद इसके वे हमेशा गहलोत खेमे में ही रहे। यही कारण है कि जैसे ही उन्होंने सोशल मीडिया पर गहलोत के खिलाफ पहला हमला बोला, झळश्रीं समर्थक नेताओं ने उनकी पोस्ट को तुरंत वायरल करना शुरू कर दिया। हालांकि अंसारी इन दिनों अधिक सक्रिय राजनीति से दूर हैं, लेकिन उनकी प्रोफाइल फोटो गहलोत के प्रखर विरोधी कहे जाने वाले सचिन पायलट के साथ हैजो चर्चा का विषय बना हुआ है।

अंसारी के आरोप तब सामने आए जब गहलोत अपने गृह जिले के दौरे पर थे और नए जिलाध्यक्षों को रूठे नेताओं को मनाने की नसीहत दे रहे थे। इसी बीच अंसारी ने सोशल मीडिया पर कहागहलोत मुसलमान प्रत्याशी उतारते तो हैं, लेकिन उन्हें जीताने के लिए काम नहीं करते।

गहलोत खेमे ने अंसारी के आरोपों का खंडन किया है। लेकिन जब स्वयं अशोक गहलोत से इस मसले पर सवाल पूछा गया, तो उन्होंने कोई टिप्पणी नहीं की।उल्टा, एक कार्यक्रम में उन्होंने नए जिलाध्यक्षों के साथ पूर्व अध्यक्षों का नाम लेते हुए अंसारी के कार्यकाल की सराहना कर माहौल को ठंडा रखने की कोशिश की। राजनीतिक विश्लेषकों का मत है कि यह बयानबाज़ी सीधे तौर पर ऋशहश्रींी झळश्रीं पॉलिटिक्स से जुड़ सकती है। हालांकि गहलोत समर्थक इसे व्यक्तिगत नाराज़गी बताते हैंअंसारी की नाराज़गी पहले उनकी बेटी को महापौर टिकट न मिलने से शुरू हुई थी।

प्रदेश के पर्यटन विकास में पीडब्ल्यूडी की भूमिका महत्वपूर्ण है : दिया कुमारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा है कि प्रदेश के पर्यटन विकास में सार्वजनिक निर्माण विभाग की भूमिका महत्वपूर्ण है। पर्यटन क्षेत्रों तक पर्यटकों की सुगम एव तीव्र पॅहुच के लिए अच्छी सड़के सबसे महत्वपूर्ण है इसलिए पीडब्ल्यूडी पर्यटन क्षेत्रों तक सुगम पँहुच सुनिश्चित करने के लिए प्राथमिकता के साथ काम करें। अच्छी कनेक्टिविटी से प्रदेश के आर्थिक विकास को नयी गति मिलेगी। उपमुख्यमंत्री ने मंगलवार को शासन सचिवालय मे आयोजित पीडब्ल्यूडी की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए प्रदेश में चल रही एनएचएआई,एनएच, राजस्थान स्टेट हाईवे ऑथोरिटी, आरएसआरडीसी, सीआरआईएफ व अन्य सड़क परियोजनाओं की प्रगति की बिंदु वार समीक्षा की। उन्होंने बजट घोषणाओं को समय पर पूरा करने एवं विभिन्न कारणों से लम्बित परियोजनाओं के संबंध में संबंधित विभागों से समन्वय कर उन्हें शीघ्र पूरा करवाने के निर्देश दिए।

इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री, दिया कुमारी व राज्यमंत्री मंजु बाघमार ने प्रोजेक्ट मॉनिटरिंग इनफोरमेशन सिस्टम का लोकार्पण किया।

इस ओपन सोर्स एप्लिकेशन से विभाग के सभी प्रोजेक्ट ट्रैक होगें। प्रोजेक्ट की वित्तिय एवं भौतिक प्रगति की रियल टाईम मॉनिटरिंग के साथ गुणवत्ता संबंधी मामलों और प्रोजेक्ट में आने वाली बाधाओं को भी ट्रैक किया जा सकता है।

पीएमआईएस को राजस्थान स्टेट डेटा सेंटर पर गो-ऑन किया जा चुका है। इस सिस्टम को इस तरीके से विकसित किया गया है कि ब्लॉक, जिला, संभाग, विधानसभा, लोकसभावार प्रदेश में चल रही परियोजनाओं को सिंगल क्लिक के साथ मॉनिटर किया जा सकता है। इसके माध्यम से प्रदेश की डीएलपी सड़कों की गारंटी अवधी की जानकारी आसानी से देखी जा सकती है। यह सिस्टम विभाग के लिए अरनेस्ट एण्ड यंग (ईवाई) कंपनी द्वारा विकसित किया गया है। इस दौरान अतिरिक्त मुख्य सचिव पीडब्ल्यूडी प्रवीण गुप्ता, शासन सचिव डीआर मेघवाल, अतिरिक्त सचिव एवं मुख्य अभियंता टीसी गुप्ता सहित आलाधिकारी उपस्थित रहे।

कुछ भागों में हो सकती है बारिश

जयपुर। एक नए पश्चिमी विक्षोभ के असर से आगामी दिनों में राजस्थान के कुछ हिस्सों में हल्की बारिश हो सकती है। मौसम केंद्र जयपुर ने मंगलवार को यह जानकारी दी। इसके अनुसार एक नए पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से 27-28 नवंबर को राज्य के कुछ भागों में बादल छाए रहने व हल्की बारिश होने की संभावना है। विशेषकर 27 नवंबर को जोधपुर, उदयपुर व अजमेर संभाग के कुछ भागों में बादल गरजने के साथ हल्की बारिश हो सकती है। वहीं, इस तंत्र के असर से 28 नवंबर को अजमेर, जयपुर संभाग व आसपास के क्षेत्रों में कहीं-कहीं हल्की बारिश होने तथा बाकी अधिकतर भागों में आगामी दिनों में मौसम मुख्यतः शुष्क रहने की संभावना है। बीती सोमवार रात सीकर में न्यूनतम तापमान सबसे कम 6.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

नवनिर्वाचित विधायक भाया ने शपथ ली

जयपुर। राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने नवनिर्वाचित विधायक प्रमोद जैन भाया को मंगलवार को सदन की सदस्यता की शपथ दिलाई। एक आधिकारिक प्रवक्ता ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि भाया ने अध्यक्ष के चैंबर में हिंदी में विधानसभा सदस्य के रूप में शपथ ली। देवनानी ने नवनिर्वाचित विधायक को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, कई विधायक व विधानसभा के प्रमुख सचिव भारत भूषण शर्मा सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे। कांग्रेस विधायक भाया ने हाल में हुए अंता विधानसभा उपचुनाव में जीत दर्ज की। राज्य की 200 की सीट वाली विधानसभा में इस समय भाजपा के पास 118 सीट हैं, वहीं कांग्रेस के 67, भारत आदिवासी पार्टी के चार, बसपा के दो विधायक हैं। आठ विधायक निर्दलीय हैं।

दो दिवसीय जयगढ़ हेरिटेज फेस्टिवल छह दिसंबर से

जयपुर। राजस्थान में जयगढ़ हेरिटेज फेस्टिवल छह व सात दिसंबर को जयपुर के जयगढ़ किले में आयोजित होगा। आयोजकों ने सोमवार को यह जानकारी दी। आयोजकों के अनुसार इस फेस्टिवल के आयोजन का मकसद जयगढ़ किले को सांस्कृतिक स्थल के तौर पर पेश करना है। फेस्टिवल का आयोजन टीमवर्क आर्ट्स द्वारा पद्मनाभ सिंह के साथ मिलकर किया जा रहा है। पूर्व राजपरिवार के सदस्य पद्मनाभ सिंह ने कहा कि इस आयोजन में जयपुर की कलात्मक और शिल्प विरासत का प्रदर्शन होगा। इस अवसर पर टीमवर्क आर्ट्स के प्रबंधक निदेशक संजय के. रॉय ने कहा कि यह फेस्टिवल प्रस्तुतियों, कार्यशालाओं व विरासत कार्यक्रमों के जरिए कलाकारों, जानकारों और दर्शकों को एक मंच पर लाएगा।

मुख्य सचिव श्रीनिवास ने की बजट घोषणाओं की प्रगति की समीक्षा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने मंगलवार को शासन सचिवालय में ऊर्जा, वन एवं पर्यावरण, खनिज एवं पेट्रोलियम तथा आयोजना विभाग के सचिवों की बैठक ली। उन्होंने इन विभागों में संचालित योजनाओं व कार्यक्रमों, बजट घोषणाओं तथा विकसित राजस्थान 2047 के लक्ष्यों और प्रगति के बारे में जानकारी ली। मुख्य सचिव ने कहा कि विकसित राजस्थान 2047 राज्य के दीर्घकालिक विकास का रोडमैप है। विकास कार्यों के समयबद्ध निष्पादन से ही इसके लक्ष्यों को पूरा किया जा सकता है। इसके लिए वर्षवार प्रगति की समीक्षा की जानी चाहिये। उन्होंने अधिकारियों को बजट घोषणाओं के कार्य तय समय पर पूर्ण करने के भी निर्देश दिए। वन पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव आंनद कुमार ने औद्योगिक अपशिष्ट के निस्तारण तथा बायोमेडिकल वेस्ट के लिए विभाग द्वारा किये जा रहे प्रयासों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि हरित अरावली विकास कार्यक्रम के तहत 30 हजार हैक्टेयर में पौधारोपण के कार्य किये गए हैं। इसके अतिरिक्त फ्रांस और जापान के सहयोग से विभिन्न जिलों में हरित राजस्थान कार्यक्रम का संचालन भी किया जा रहा है।

खनिज एवं पेट्रोलियम विभाग के प्रमुख शासन सचिव टी रविकान्त ने बताया कि खनन से संबंधित 27 बजट घोषणाओं में से 16 के कार्य पूर्ण हो गए हैं तथा 8 में कार्य चल रहा है। शेष 3 घोषणाओं के कार्य भी शुरू किये जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में खनन के क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं। इसके इष्टतम उपयोग के लिए निरंतर प्रयास किये जा रहे हैं। ऊर्जा विभाग के प्रमुख शासन सचिव अजिताभ शर्मा ने प्रदेश में निःशुल्क बिजली योजना की क्रियान्विति के बारे में जानकारी दी।

प्रधान मुख्य वन संरक्षक पी. के उपाध्याय ने कहा कि वन विभाग द्वारा रिवाइल्डिंग परियोजना पर कार्य किया जा रहा है। इसके तहत अनाथ शावकों को शिकार करने तथा जंगल में सर्वाइवल के लिए प्रशिक्षित कर उन्हें पुनः जंगल में छोड़ा जाता है। यह योजना उड़ीसा के बाद अब राजस्थान में शुरू की गई है। उन्होंने वर्तमान में प्रदेश में बाघों की संख्या और उनकी स्थिति के बारे में भी बताया। बैठक में डॉ. रवि कुमार सुरपुर, शासन सचिव आयोजना के अतिरिक्त संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

खिलाड़ियों के सपनों की उड़ान की शुरुआत है विश्नविद्यालय खेलः मुख्यमंत्री शर्मा

जयपुर।राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को कहा कि 'खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स' केवल एक प्रतियोगिता नहीं है, यह खिलाड़ियों के सपनों की उड़ान की शुरुआत है। उन्होंने कहा कि इन खेलों से खिलाड़ी ओलंपिक चैंपियन भी बन सकता है इसलिए सभी खिलाड़ी पूरी लगन से इन खेलों में हिस्सा लें। शर्मा ने यहां सवाई मानसिंह स्टेडियम में 'खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स' के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए यह बात कही।

मुख्यमंत्री ने कहा कि खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स का आयोजन राजस्थान के सात संभागों में किया जा रहा है। इस प्रतियोगिता में देश के कोने-कोने से युवा प्रतिभाशाली खिलाड़ी भाग लेने आए हैं। केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने कहा कि नए भारत का निर्माण विकसित भारत के लक्ष्य के साथ हो रहा है। मांडविया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वर्ष 2047 तक विकसित भारत बनाने और वर्ष 2036 तक देश में ओलंपिक खेलों के आयोजन की तैयारियों के लिए मार्ग दिखाया है। राज्य के युवा मामलों एवं खेल मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कहा कि वर्ष 2014 के बाद प्रधानमंत्री मोदी के संकल्प से देश में खेलों में सकारात्मक परिवर्तन आया है। इसी कड़ी में राजस्थान में 12 दिनों तक पांचवें खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स का आयोजन हो रहा है।

नगर में शांति और कानून व्यवस्था सर्वोच्च प्राथमिकता, असामाजिक तत्वों पर होगी सख्त कार्रवाई : बेढ़म

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

डीग। लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर मंगलवार को 'माई भारत' संगठन के तत्वावधान में नगर कस्बे में 'रन फॉर यूनिटी' (यूनिटी मार्च) का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि गृह, गोपालन, पशुपालन, डेयरी तथा मत्स्य विभाग राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म ने कुंडा मंदिर परिसर से रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। एकता और अखंडता का संदेश रैली का शुभारंभ करते हुए गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म ने कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल ने देश की एकता और अखंडता को सुनिश्चित करने में अद्वितीय योगदान दिया था। आज हम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' के संकल्प को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। रैली में मंत्री बेढ़म ने स्वयं हाथों में तिरंगा लेकर स्थानीय युवाओं, महिलाओं और नागरिकों के साथ पैदल मार्च किया और राष्ट्रीय एकता का संदेश दिया।

मीडिया से बात करते हुए और जनसभा को संबोधित करते हुए गृह राज्य मंत्री ने क्षेत्र की कानून व्यवस्था पर कड़ा रुख अपनाया। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा, नगर क्षेत्र में शांति बनाए रखना मेरा धर्म और फर्ज है। यहाँ के नागरिकों का स्वाभिमान मेरी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि शांति भंग करने वाले या माहौल खराब करने वाले किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा और कानून के दायरे में रहकर सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। क्षेत्र के विकास और जनभावनाओं का उल्लेख करते हुए बेढ़म ने कहा कि राज्य सरकार ने नगर की सांस्कृतिक पहचान का सम्मान किया है। उन्होंने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का आभार व्यक्त करते हुए बताया कि जनभावनाओं के अनुरूप पंचायत समिति का नाम 'ब्रजनगर' किया गया है। इसके अतिरिक्त, 'ब्रज विकास क्षेत्रीय योजना' लागू की गई है, जिसके तहत क्षेत्र के विकास कार्यों के लिए 100 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। यह राशि क्षेत्र के सर्वांगीण विकास में मील का पत्थर साबित होगी। यूनिटी मार्च के दौरान कस्बे में उत्साह का माहौल रहा। रैली में बड़ी संख्या में युवाओं, स्कूली विद्यार्थियों, स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं और स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में राजस्थानी लोक कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियां भी दीं। इस अवसर पर उपखंड अधिकारी, पुलिस अधिकारी, स्थानीय निकाय के प्रतिनिधि और विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

विधायक भाया की शपथ के बाद जूली ने सरकार पर बोला हमला, कहा- अंता की जनता ने भाजपा को दिखा दिया आइना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। अंता विधानसभा उपचुनाव में नवनिर्वाचित विधायक प्रमोद जैन भाया ने मंगलवार को विधानसभा में पद और गोपनीयता की शपथ ली। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने उन्हें अपने कक्ष में पद की शपथ दिलाई। इसके बाद मीडिया से बातचीत करते हुए भाया ने कहा कि कांग्रेस पार्टी के हाईकमान ने मुझ पर भरोसा करके मुझे टिकट दिया और कांग्रेस के तमाम कार्यकर्ताओं ने मेहनत की। अंता की जनता ने मुझे अपना आशीर्वाद दिया और मैं उन्हें विश्वास दिलाता हूं कि मैं अंता सहित जनहित के तमाम मुद्दों को विधानसभा और विधानसभा के बाहर उठाता रहूंगा। भाया ने अंता उपचुनाव में बयानबाजी और आरोपों को लेकर कहा कि सियासत में बयानबाजी और आरोप लगते रहते हैं लेकिन मैं अपने काम पर फोकस रखता हूं। हमारा मकसद क्षेत्र का विकास और लोगों की समाज सेवा करना है। हमने अंता विधानसभा क्षेत्र के किसानों की समस्याओं को लेकर भी प्रदर्शन किया था और 2 दिसंबर को भी हम यूरिया की कमी को लेकर धरना देंगे। उपचुनाव में पैसे बांटने के आरोपों पर कहा कि यह भाजपा और उनके विरोधियों ने इस तरह

का प्रोपेगेंडा फैलाया था लेकिन अंता की जनता ने अपने मताधिकार का प्रयोग करके उन्हें जवाब दे दिया है।

नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि उपचुनाव से पहले भाजपा के लोग बातें कर रहे थे कि अंता उपचुनाव सेमीफाइनल होगा और 28 में फाइनल लड़ेंगे लेकिन अंता की जनता ने भाजपा को आइना दिखा दिया है और अब इनकी समझ में भी आ गया है कि अंता उपचुनाव का परिणाम इतना खतरनाक साबित होगा कि राजस्थान का मुख्य सचिव और मुख्यमंत्री का प्रमुख सचिव बदलवा दिया और आगे अब मंत्रिमंडल भी बदला जाएगा। भाजपा की सरकार ने पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार की योजनाओं के नाम बदल दिए या फिर उन योजनाओं को बंद कर दिया। जूली ने राजस्थान में एसाईआर मुद्दे को लेकर कहा कि राजस्थान में इसकी कोई जरूरत नहीं थी, क्योंकि अभी यहां 3 साल के बाद विधानसभा चुनाव है लेकिन इस सरकार ने एसाईआर शुरू कर दिया है क्योंकि इन्हें निकाय और पंचायत चुनाव में हार का डर सता रहा है। राजस्थान में 6 महीने बाद या 1 साल के बाद भी एसाईआर किया जा सकता था लेकिन इस सरकार ने आनन फानन में एसआईआर की मंजूरी दे दी और अब बूथ लेवल ऑफिसर पर अनावश्यक प्रेशर डाला जा रहा है, इनसे सवाल करो तो कहते हैं कि हम घुसपैठियों का पता लग रहे हैं लेकिन इस सरकार को बताना चाहिए कि बिहार में एसआईआर करके 70 लाख लोगों के वोट काट दिए अब उनमें से कितने ऐसे लोग हैं जो घुसपैठियों थे। सरकार को इसके बारे में बताना चाहिए केवल बातें करने से काम नहीं चलेगा। कांग्रेस विधायक और अंता उपचुनाव के प्रभारी रहे अशोक चांदना ने कहा कि कांग्रेस पार्टी में सभी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने एकजुटता के साथ काम किया और प्रमोद जैन भाया की मेहनत पर जनता ने मुहर लगाई है। आरोप प्रत्यारोप राजनीति का हिस्सा है और चुनाव में ऐसे आरोप लगाते रहते थे और इसके बिना राजनीति नहीं हो सकती है, लेकिन जनता इस तरह के आरोप प्रत्यारोप को पसंद नहीं करती है, इसलिए जनता ने अपना जवाब दे दिया है और आगे भी जनता इनको जवाब देगी। इस सरकार ने ग्रामीण ओलंपिक बंद किया, जबकि ग्रामीण ओलंपिक जैसे प्रोजेक्ट से ग्रामीण इलाकों की प्रतिभाएं सामने आई थी।

शत-प्रतिशत परिगणना प्रपत्रों का डिजिटाइजेशन कर कायम की मिसाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत परिगणना प्रपत्रों के डिजिटाइजेशन कार्य में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले जुझारू, समर्पित एवं प्रेरक 95 बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) को जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। सम्मानित बीएलओ में दिव्यांग बीएलओ, पहली बार जिम्मेदारी संभालने वाले बीएलओ, सेवानिवृत्ति के निकट पहुंच चुके बीएलओ तथा वे अधिकारी भी शामिल हैं जिन्होंने भौगोलिक, शारीरिक व भावनात्मक चुनौतियों तथा सीमित संसाधनों के बावजूद लक्ष्य हासिल करने का जज्बा दिखाया। कई बीएलओ ने तो ऐसे क्षेत्रों में भी शत-प्रतिशत डिजिटलीकरण कर मिसाल कायम की, जहां इंटरनेट सुविधाएं उपलब्ध

नहीं थीं। जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने बीएलओ से संवाद के दौरान उन्होंने केवल उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन की मुक्तकंठ से सराहना की। उन्होंने कहा कि उनकी यह प्रतिबद्धता पूरे जिले के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने आग्रह किया कि वे अपने अनुभव, ऊर्जा और कार्यकुशलता को अन्य साथी बीएलओ तक पहुँचाकर उन्हें भी लक्ष्य प्राप्ति में मार्गदर्शन दें ताकि पूरे जिले में पुनरीक्षण अभियान की गति और अधिक मजबूत एवं प्रभावशाली रूप में आगे बढ़ सके

उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री मेघराज मीणा ने बताया कि सम्मान समारोह में चाकसू विधानसभा क्षेत्र के 23 बीएलओ, बस्सी विधानसभा क्षेत्र के 17 बीएलओ, आमेर विधानसभा क्षेत्र के 16 बीएलओ, शाहपुरा विधानसभा क्षेत्र के 10 बीएलओ, झोटवाड़ा विधानसभा क्षेत्र के 9 बीएलओ, दूदू विधानसभा क्षेत्र के 7 बीएलओ, जमवारामगढ़ विधानसभा क्षेत्र के 6 बीएलओ, बगरू विधानसभा क्षेत्र के 4 बीएलओ व चौमूं, फुलेरा एवं विद्याधर नगर विधानसभा क्षेत्र के 1-1 बीएलओ को सम्मानित किया गया। इससे पूर्व भी विगत सप्ताह भी शत प्रतिशत डिजिटाइजेशन का लक्ष्य हासिल करने वाले 4 बीएलओ को जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा सम्मानित किया गया था।

उन्होंने बताया कि जयपुर जिले में विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत परिगणना कार्य प्रगति पर है। जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी निरंतर कार्यक्रम की मॉनिटरिंग कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने राम जन्मभूमि मंदिर के शिखर पर ध्वज फहराया, इसे युगांतकारी क्षण बताया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अयोध्या (उप्र)/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के शिखर पर वैदिक मंत्रोच्चार और ''जय श्री राम'' के नारों की गूंज के बीच भगवा ध्वज फहराया। इस अनुष्ठान के साथ ही मंदिर का निर्माण औपचारिक रूप से पूरा हो गया। मोदी ने राम मंदिर ध्वजारोहण को 'युगांतकारी' की संज्ञा देते हुए कहा कि सदियों के ज़ख्म और दर्द भर रहे हैं क्योंकि 500 साल पुराना संकल्प आखिरकार राम मंदिर के औपचारिक निर्माण के साथ पूरा हो रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने मार्गशीर्ष मास के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि पर भगवान श्रीराम और मां सीता की 'विवाह पंचमी' के अभिजीत मुहूर्त पर तिकोने झंडे का आरोहण किया।

श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के अनुसार ध्वज पर ''भगवान श्री राम की प्रतिभा और वीरता का प्रतीक चमकते सूर्य की तस्वीर है। इस पर कोविदार वृक्ष की तस्वीर के साथ ओम लिखा है।'' उसने कहा कि भगवा ध्वज ''रामराज्य के आदर्शों को दिखाते हुए गरिमा, एकता और सांस्कृतिक निरंतरता का संदेश देगा।'' श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के महासचिव चंपत राय ने कहा कि इस समारोह के साथ राम मंदिर का निर्माण औपचारिक रूप से पूरा हो गया। यह ध्वज पारंपरिक उत्तर भारतीय नागर शैली में बने शिखर पर फहराया गया, जबकि मंदिर के चारों ओर बना 800 मीटर का परकोटा (दक्षिण भारतीय वास्तु शैली में डिजाइन किया गया घेरा) मंदिर की शिल्प विविधता को दिखाता है। मंदिर परिसर में मुख्य मंदिर की बाहरी दीवारों पर वाल्मीकि रामायण पर आधारित भगवान श्री राम के जीवन से जुड़े 87 प्रसंग बारीकी से पत्थरों पर उकेरे गए हैं। घेरे की दीवारों पर भारतीय संस्कृति से जुड़े 79 कांस्य-ढाल वाले प्रसंग अंकित हैं।

ध्वजारोहण के मौके पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मौजूद रहे। इसके पहले प्रधानमंत्री मोदी सप्त मंदिर पहुंचे और महर्षि वशिष्ठ, महर्षि विश्वामित्र, महर्षि अगस्त्य, महर्षि वाल्मीकि, देवी अहिल्या, निषादराज गुह और माता शबरी मंदिर में भी शीश झुकाये। मोदी ने मां अन्नपूर्णा के भी दर्शन किए। उन्होंने श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में पहुंचकर भगवान राम लला की आरती और पूजन किया।

इससे पहले रामनगरी पहुंचे प्रधानमंत्री मोदी का जोरदार स्वागत हुआ। 'जय श्री राम' और 'जय जय हनुमान' नारों के बीच अयोध्यावासियों ने प्रधानमंत्री के काफिले पर पुष्प वर्षा की। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि पूरा देश और दुनिया भगवान राम में डूबी हुई है। उन्होंने कहा, ''आज अयोध्या नगरी भारत की सांस्कृतिक चेतना के एक और उत्कर्ष-बिंदु की साक्षी बन रही है। श्री राम जन्मभूमि मंदिर के शिखर ध्वजारोहण उत्सव का यह क्षण अद्वितीय और अलौकिक है।''

मोदी ने कहा कि पवित्र ध्वज इस बात का सबूत होगा कि असत्य पर आखिरकार सत्य की जीत होती है।'' उन्होंने मंदिर निर्माण में योगदान देने वालों का उल्लेख करते हुए कहा, ''मैं इस खास मौके पर राम भक्तों को बधाई देता हूं, उन सभी को बधाई देता हूं जिन्होंने राम मंदिर निर्माण में दान दिया या किसी भी तरह से मदद की।''

'राम मंदिर के लिए बलिदान देने वाले लोगों की आत्मा को ध्वजारोहण के बाद शांति मिली होगी'

अयोध्या (उप्र)/भाषा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक मोहन भागवत ने मंगलवार को कहा कि राम मंदिर के लिए बलिदान देने वाले लोगों की आत्मा को आज मंदिर के शिखर पर ध्वजारोहण के बाद शांति मिली होगी। आज ध्वजारोहण के साथ मंदिर निर्माण की शास्त्रीय प्रक्रिया पूर्ण हो गई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ मोहन भागवत ने श्री राम जन्मभूमि मंदिर के शिखर पर ध्वजारोहण किया। खासतौर पर मौजूद आरएसएस प्रमुख ने कहा,

''आज हम सबके लिए सार्थकता का दिवस है। इतने लोगों ने सपना देखा, प्रयास किया, प्राण अर्पण किए, आज उनकी आत्मा तृप्त हुई होगी। आज वास्तव में अशोक जी (राम मंदिर आंदोलन के प्रमुख दिवंगत अशोक सिंघल) की आत्मा को वहां शांति मिली होगी।''

अयोध्या राम मंदिर में ध्वजारोहण 'संकल्प से सिद्धि' का उदाहरण: ओडिशा के मुख्यमंत्री

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने मंगलवार को कहा कि अयोध्या में राम मंदिर के ऊपर भगवा झंडा फहराना 'संकल्प से सिद्धि' का एक शानदार उदाहरण है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राम मंदिर में औपचारिक ध्वजारोहण किया और कहा कि सदियों के घाव और दर्द भर रहे हैं क्योंकि मंदिर के औपचारिक रूप से पूरा होने के साथ 500 साल पुराना संकल्प आखिरकार पूरा हो रहा है। माझी ने 'एक्स' पर कहा, यह ध्वजारोहण कोई आम रस्म नहीं है। यह सालों से चले आ रहे एक आंदोलन का नतीजा है, जिसमें अनगिनत कुर्बानियां और संघर्ष हुए हैं। यह अपने आप में संकल्प से सिद्धि का एक शानदार उदाहरण है। उन्होंने कहा कि यह मंगलवार सभी भारतीयों के लिए बहुत पवित्र और ऐतिहासिक दिन है। माझी ने कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हमारी आस्था के केंद्र अयोध्या में राम मंदिर में झंडा फहराया है।

राम मंदिर के ऊपर भगवा ध्वज फहराना सनातन संस्कृति के लिए गर्व की बात : अमित शाह

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत द्वारा अयोध्या में राम मंदिर के ऊपर भगवा ध्वज फहराना सनातन संस्कृति और भगवान राम के भक्तों के लिए बहुत गर्व की बात है। शाह ने पोस्ट में कहा, ''सियावर रामचंद्र की जय। संपूर्ण मानवता के लिए धर्म और कर्म का आदर्श स्थापित करने वाले भगवान श्रीराम की जन्मभूमि पर बने भव्य और दिव्य

मंदिर के शिखर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और सरसंघचालक मोहन भागवत जी के करकमलों से, संत समाज की पवित्र उपस्थिति में विधिवत धर्मध्वज स्थापित हुआ।'' उन्होंने कहा कि माता सीता और प्रभु श्रीराम के विवाह के पवित्र दिन पर यह ध्वजारोहण संपन्न हुआ है।

राम मंदिर के लिए सिख गुरुओं और उनकी पीढ़ियों ने दी कुर्बानी : मुख्यमंत्री

लखनऊ (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को कहा कि अयोध्या में राम मंदिर के शिखर पर भगवा ध्वज फहराने के लिए सिख गुरुओं और उनकी पीढ़ियों ने अपनी जान की कुर्बानी दी थी। आदित्यनाथ ने सिखों के नौवें गुरु, गुरु तेग बहादुर के 350वें शहीदी दिवस के मौके पर लखनऊ में एक सभा को संबोधित करते हुए कहा, ''रामजन्मभूमि (अयोध्या में) में भगवान राम के भव्य मंदिर का निर्माण कार्य पूरा होने के बाद आज भारत के सनातन का भगवा ध्वज राम मंदिर के शिखर पर फहराया गया। यह एक भव्य कार्यक्रम था। अयोध्या में राम मंदिर के शिखर पर भगवा ध्वज फहराया गया है। इसके लिए सिख गुरुओं और उनकी पीढ़ियों ने अपनी जान कुर्बान कर दी थी।'' मुख्यमंत्री ने कहा, वर्ष 1510 से 1515 के बीच पहले सिख गुरु, गुरु नानक देव अयोध्या धाम में श्री राम जन्मभूमि मंदिर के दर्शन करने गए थे। बाद में वर्ष 1528 में विदेशी आक्रांता बाबर के सैनिक ने उस मंदिर को तोड़ दिया था।

बिहार में 11 नई 'सैटेलाइट टाउनशिप' विकसित की जाएंगी

पटना/भाषा। बिहार में शहरी विकास को लेकर राज्य सरकार ने ऐतिहासिक पहल की शुरुआत की है। नगर विकास एवं आवास मंत्री नितिन नवीन ने मंगलवार को कहा कि सरकार बिहार को राष्ट्रीय शहरी मानकों के स्तर तक लाने के लिए तेजी से काम कर रही है। उन्होंने पत्रकारों से कहा कि राजधानी पटना के पाटलिपुत्र और कंकड़बाग मॉडल की तर्ज पर अब 40 वर्ष बाद पहली बार राज्य में 11 नई 'सैटेलाइट टाउनशिप' विकसित की जाएंगी।

नवीन ने बताया कि इन नई टाउनशिप में नौ प्रमंडलीय मुख्यालयों के साथ सोनपुर और सीतामढ़ी (सीतापुरम) को भी शामिल किया गया है। उन्होंने कहा कि बढ़ती जनसंख्या, अव्यवस्थित शहरी विस्तार और बुनियादी सुविधाओं पर बढ़ते दबाव को देखते हुए यह निर्णय समय की जरूरत है। पटना स्थित विभागीय मुख्यालय में आयोजित विस्तृत समीक्षा बैठक में परियोजना की कार्ययोजना और क्रियान्वयन मॉडल पर विस्तार से चर्चा की गई। मंत्री नितिन नवीन ने मुख्यमंत्री के फैसले की सराहना करते हुए कहा कि इस पहल से बिहार के भविष्य की दिशा तय होगी। उन्होंने कहा कि आने वाले वर्षों में राज्य का विकास ग्रामीण से शहरी संक्रमण के मॉडल पर आधारित होगा और 'सैटेलाइट टाउनशिप' नीति उसी विजन का हिस्सा है।

मंत्री ने बताया कि परियोजना का मुख्य उद्देश्य जनसंख्या का संतुलित वितरण सुनिश्चित करना, अत्यधिक भीड़ वाले शहरों पर बोझ कम करना और नागरिकों को बेहतर संरचना वाली, पर्यावरण-सम्मत, आधुनिक और सुविधाजनक शहरी जिंदगी उपलब्ध कराना है। नई टाउनशिप में यातायात प्रबंधन प्रणाली, सीवर प्रणाली, वैज्ञानिक कचरा प्रबंधन, हरे-भरे पार्क, चौड़ी सड़कों, आवासीय सेक्टर, वाणिज्यिक हब और सार्वजनिक सेवाओं का स्मार्ट नेटवर्क विकसित किया जाएगा। सरकार के अनुसार, यह परियोजना 'ग्रीनफील्ड टाउनशिप मॉडल' पर आधारित होगी। इसे आगे बढ़ाने के लिए हर जिले में विशेष प्रशासकीय समिति गठित की जाएगी, जिसमें भूमि अधिग्रहण अधिकारी, शहरी योजनाकार और राजस्व विभाग के पदाधिकारी शामिल होंगे। भूमि मालिकों के हितों को ध्यान में रखते हुए 'लैंड पूलिंग' नीति लागू की जाएगी, जिसके तहत भूमि स्वामियों को अधिग्रहण के बदले विकसित भूमि का हिस्सा वापस मिलेगा। मंत्री ने कहा कि यह ऐसा मॉडल है जिसमें सरकार और भूमि स्वामी दोनों विकास के साझेदार होंगे।

मुख्यमंत्री तमांग ने मीडिया से सिक्किम की 'तीसरी आंख' बने रहने का आग्रह किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गंगटोक/भाषा। सिक्किम के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग ने मंगलवार को राज्य की मीडिया से निडर, निष्पक्ष और सत्यनिष्ठ तीसरी आंख के रूप में कार्य करने का आग्रह किया और कहा कि उनकी सरकार आलोचना का सामना करने के लिए तैयार है। उन्होंने यहां राष्ट्रीय प्रेस दिवस समारोह में कहा, मैं प्रेस को सिक्किम की 'तीसरी आंख' बने रहने के लिए प्रोत्साहित करता हूं, जो हमेशा निडर, निष्पक्ष और सत्यवादी हो। हम आपकी आलोचना का एक मार्गदर्शन के रूप में स्वागत करते हैं और मैं आग्रह करता हूं कि आप अपनी कलम का इस्तेमाल गलत सूचनाओं, मादक पदार्थों और हमारे युवाओं को नुकसान पहुंचाने वाली सामाजिक बुराइयों के खिलाफ करें।

यह समारोह उनके अनुरोध पर नौ दिन के लिए स्थगित कर दिया गया था ताकि वह व्यक्तिगत रूप से कार्यक्रम में शामिल हो सकें।

तमांग ने कहा, हम भले ही परिपूर्ण न हों, लेकिन हम ईमानदारी और जवाबदेही के लिए प्रतिबद्ध हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने कार्यक्रम को स्थगित करने का अनुरोध किया था ताकि वह मीडिया के लोगों के सम्मान और प्रशंसा के लिए व्यक्तिगत रूप से उपस्थित हो सकें।

पांच बार मुख्यमंत्री रहे पवन कुमार चामलिंग की पूर्ववर्ती 'सिक्किम डेमोक्रेटिक फ्रंट' (एसडीएफ) सरकार पर परोक्ष हमला बोलते हुए तमांग ने कहा कि एक समय ऐसा था जब सरकार और प्रेस के बीच संबंध तनावपूर्ण थे।

अखिलेश ने इटावा में महादेव मंदिर का निर्माण पूरा होने के बाद राम मंदिर जाने के संकेत दिए

लखनऊ/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने मंगलवार को इशारा किया कि इटावा में केदारेश्वर महादेव मंदिर का निर्माण कार्य पूरा होने के बाद वह अयोध्या स्थित राम मंदिर जाएंगे। यादव ने 'एक्स' पर कहा, ''पूर्णता ही पूर्णता की ओर ले जाती है। ईश्वरीय प्रेरणा से इटावा में निर्माणाधीन श्री केदारेश्वर महादेव मंदिर के पूर्ण होने पर अन्य मंदिरों के दर्शन का संकल्प भी पूर्ण करेंगे।'' उन्होंने आगे कहा, ''आस्था जीवन को सकारात्मकता और सद्भाव से भरने वाली ऊर्जा का ही नाम है। दर्शन के लिए ईश्वरीय इच्छा ही मार्ग बनाती है, वही बुलाती है। सच तो ये है कि हम सब तो ईश्वर के बनाए मार्ग पर बस चलकर जाते हैं। आस्थावान रहें, सकारात्मक रहें।''

यादव ने यह बात प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा अयोध्या में राम मंदिर के ऊपर धर्मध्वजा फहराये जाने के दिन कही। धर्म ध्वजा फहराये जाने के साथ ही मंदिर का निर्माण औपचारिक रूप से पूरा हो गया है।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता राम मंदिर की स्थापना के बाद से वहां नहीं पहुंचने के लिए सपा प्रमुख अखिलेश यादव पर अक्सर निशाना साधते रहे हैं।

ममता ने प. बंगाल में चांदपाड़ा से ठाकुरनगर तक एसआईआर विरोधी मार्च निकाला

ठाकुरनगर (पश्चिम बंगाल)/ भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने राज्य में जारी मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के विरोध में मंगलवार को बनगांव के चांदपाड़ा से उत्तर 24 परगना जिले के मतुआ बहुल ठाकुरनगर तक तीन किलोमीटर लंबे एक मार्च का नेतृत्व किया।

तृणमूल कांग्रेस के एक नेता ने बताया कि तृणमूल कांग्रेस प्रमुख बनर्जी ने भारत-बांग्लादेश सीमा के निकट बनगांव शहर में एसआईआर विरोधी रैली को संबोधित करने के बाद यह मार्च निकाला। मार्च ठाकुरनगर के ढाकुरिया स्कूल में समाप्त हुआ। बनर्जी मार्च का नेतृत्व कर रही थीं, जिसमें शामिल लोग नीले और सफेद गुब्बारे लिए हुए थे, टीएमसी के झंडे लहरा रहे थे और एसआईआर विरोधी नारे लगा रहे थे। भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने पश्चिम बंगाल सहित देश के कई राज्यों में एसआईआर अभियान चलाया है। राज्य में विधानसभा चुनाव 2026 में होने हैं। मार्च के दौरान जब बनर्जी अपनी सामान्य तेज गति से चल रही थीं तो कुछ लोगों ने उनका फूलों से स्वागत किया तथा बनर्जी ने सड़कों के दोनों ओर एकत्र लोगों की ओर हाथ हिलाकर अभिवादन किया।

रोहित शर्मा को 2026 टी20 विश्व कप के लिए आईसीसी ब्रांड दूत घोषित किया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। भारत के दिग्गज खिलाड़ी रोहित शर्मा को भारत और श्रीलंका में होने वाले 2026 टी20 विश्व कप के लिए मंगलवार को टूर्नामेंट दूत नियुक्त किया गया।

रोहित की कप्तानी में भारत ने 2024 में हुए पिछले टी20 विश्व कप का खिताब जीता था।

रोहित ने टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में भारत के लिए शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने 32.01 की औसत और 140.89 के स्ट्राइक रेट से 4231 रन बनाए।

आईसीसी अध्यक्ष जय शर्मा ने यहां

टूर्नामेंट के कार्यक्रम का अनावरण करते हुए यह घोषणा की। रोहित ने पिछले साल अमेरिका और वेस्टइंडीज की मेजबानी में हुए विश्व कप में भारत की जीत के बाद खेल के सबसे छोटे अंतरराष्ट्रीय प्रारूप से संन्यास ले लिया था। भारत ने तब 11 साल के लंबे अंतराल के बाद आईसीसी ट्रॉफी जीती थी। शाह ने कहा कि अगले साल फरवरी-मार्च में होने वाले इस टूर्नामेंट के दौरान आठ स्थल (भारत के पांच और श्रीलंका के तीन) मैचों की मेजबानी करेंगे।

यह टूर्नामेंट सात फरवरी से आठ मार्च तक खेला जाएगा। टी20 विश्व कप के मैच दिल्ली, कोलकाता, अहमदाबाद, चेन्नई, मुंबई, कोलंबो और कैंडी में खेले जाएंगे।

हम भारत को घुटने के बल लाना चाहते थे : दक्षिण अफ्रीकी कोच शुकरी

गुवाहाटी। दक्षिण अफ्रीका के मुख्य कोच शुकरी कोनराड चाहते थे कि उनकी टीम दूसरे टेस्ट के चौथे दिन भारत को घुटनों के बल ले जाये और 549 रन के दुरूह लक्ष्य के जवाब में मेजबान टीम अब श्रृंखला में सूपड़ा साफ होने से बचाव के लिए जूझ रही है। कोनराड के इस बयान से तनाव पैदा हो सकता है लेकिन उन्होंने कहा कि वह इंग्लैंड के दिवंगत कप्तान टोनी ग्रेग के मशहूर इंटरव्यू से एक वाक्य चुरा रहे हैं जो उन्होंने 1976 में क्लाइव लॉयड की वेस्टइंडीज टीम के खिलाफ श्रृंखला से पहले बोला था । उनकी टीम वह श्रृंखला 0 . 3 से हार गई थी । कोनराड ने चौथे दिन के खेल के बाद प्रेस कांफ्रेंस में कहा ,'' हम चाहते थे कि भारतीय टीम मैदान पर ज्यादा से ज्यादा समय बिताये । हम चाहते थे कि वे घुटनों के बल आ जाये (यह वाक्य मैं चुरा रहा हूं) और हम मैच उनकी जद से बिल्कुल बाहर करना चाहते थे ।'' कोनराड ने इसके लिए 'ग्रोवेल ' शब्द का इस्तेमाल करके विवाद को जन्म दे दिया है । 'ग्रोवेल' का मतलब होता है जमीन के बल लेटना या रेंगना ।

सुविचार

कर्म से ही पहचान होती है, इंसानों की दुनिया में, अच्छे कपड़े तो बेजुबान पुतलों को भी पहनाया जाता है, दुकानों में..!!!

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चीन का नया बहाना, पुराना पैंतरा

ब्रिटेन निवासी एक भारतीय महिला के साथ चीन के शंघाई हवाईअड्डे पर किया गया बर्ताव अत्यंत निंदनीय है। प्रेमा वांगजोम थोंगडोक ने चीनी अधिकारियों पर जो आरोप लगाए हैं, वे गंभीर हैं। उनके पासपोर्ट को चीन ने सिर्फ इस वजह से मानने से इन्कार कर दिया, क्योंकि वे अरुणाचल प्रदेश से हैं! यह चीनी पैंतरा नया नहीं है। चीन अरुणाचल को 'दक्षिण तिब्बत' कहकर इस पर अपना अवैध दावा जताता है। हालांकि भारत इस दावे को खारिज करता है। प्रेमा वांगजोम लंदन से जापान की यात्रा के सिलसिले में शंघाई पहुंचीं तो चीनी आव्रजन अधिकारियों ने पासपोर्ट पर उनके जन्म स्थान अरुणाचल प्रदेश को देखकर जो हरकत की, वह सोची-समझी साजिश लगती है। चीन भारत सरकार पर, खासकर अरुणाचल प्रदेश के निवासियों पर दबाव बनाना चाहता है। वह एक ही झूठ को बार-बार दोहराकर उसे सच साबित करना चाहता है। न तो भारत सरकार उसके दबाव में आएगी, न ही अरुणाचल प्रदेश के निवासी उसके झूठे दावे को कोई स्वीकृति देंगे। बीजिंग को मालूम होना चाहिए कि अरुणाचल के लोग देशभक्त भारतीय हैं। वे भारत माता की सीमाओं के सच्चे प्रहरी हैं। चीन की चाल उनके सामने कोई काम नहीं आएगी। इससे पहले, जुलाई 2023 में चीन ने अरुणाचल प्रदेश के खिलाड़ियों के लिए 'नत्थी वीजा' जारी कर विवाद भड़काने की कोशिश की थी। जब कभी केंद्र सरकार के मंत्री अरुणाचल प्रदेश का दौरा करते हैं तो चीन तिलमिला उठता है। चीनी सरकार ने अरुणाचल प्रदेश के विभिन्न स्थानों के चीनी नाम रखे हुए हैं। उसके इस कदम की बहुत खिल्ली उड़ी थी।

क्या ऐसा करने से चीन के अवैध दावे को मान्यता मिल जाएगी? कभी नहीं, क्योंकि अब भारत दृढ़ता से जवाब देता है। प्रेमा वांगजोम के मामले में भी उसने दो टूक कहा कि अरुणाचल प्रदेश निर्विवाद रूप से भारतीय क्षेत्र है और इसके निवासियों को भारतीय पासपोर्ट रखने तथा उसके साथ यात्रा करने का पूरा अधिकार है। चीन सैन्य आक्रमण करने का दुस्साहस नहीं कर सकता, क्योंकि वह जानता है कि उस स्थिति में भारत जोरदार जवाबी कार्रवाई करेगा। पाकिस्तान के खिलाफ 'ऑपरेशन सिंदूर' में भारतीय वायुसेना ने चीन के कई ड्रोनों को धराशायी कर पराक्रम दिखाया था। चीनी फौज परंपरागत (आमने-सामने की) लड़ाई से दूर रहना चाहती है, क्योंकि एक संतान नीति के कारण जनसंख्या संतुलन बिगड़ता जा रहा है। भारतीय सेना ने तवांग सेक्टर में चीनी सैनिकों की जिस तरह मरम्मत की थी, उसके बाद वे दोबारा इधर नहीं आए। अब बीजिंग क्या करे? उसे अरुणाचल के संबंध में अपना हठ भी जारी रखना है, अपने नागरिकों के बीच खुद को अजेय साबित करना है, दुनिया में खुद को महाशक्ति की तरह पेश करना है! उसके पास सिर्फ एक विकल्प बचता है- हर साल अरुणाचल प्रदेश के बारे में ऐसा मुद्दा उछालना, जो सुर्खियां बटोरे। प्रेमा वांगजोम के साथ किया गया बर्ताव इसी का हिस्सा है। भविष्य में भारत के किसी अन्य नागरिक के साथ (जो अरुणाचल का निवासी हो) चीन में ऐसा बर्ताव हो तो इस पर आश्चर्य नहीं होना चाहिए। भारत सरकार को जवाबी कार्रवाई करनी होगी। तिब्बत के बौद्धों और शिंजियांग के मुसलमानों की आवाज उठानी चाहिए। उनके साथ हो रहे चीनी अत्याचारों को सामने लाना चाहिए। इसके कई तरीके हो सकते हैं। अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न अंग था, है और सदैव रहेगा।

ट्वीटर टॉक

जयपुर स्थित मणिपाल यूनिवर्सिटी में संविधान दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में सम्मिलित होने का अवसर मिला। हमारा संविधान न्याय, स्वतंत्रता, समता और बंधुत्व जैसी मूल मान्यताओं पर आधारित है। यह केवल कानूनों का ग्रंथ नहीं, बल्कि हमारे राष्ट्रीय चरित्र का मार्गदर्शक है।

-ओम बिरला

त्रेता युग की अयोध्या ने मानवता को नीति दी। 21वीं सदी की अयोध्या मानवता को विकास का नया मॉडल दे रही है। तब अयोध्या मर्यादा का केंद्र थी। अब अयोध्या विकसित भारत का मेरुदंड बनकर उभर रही है।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

आज बीकानेर प्रवास के दौरान भाजपा कार्यकर्ता श्री पूनम जी प्रजापत जी के देवलोकगमन पर उनके आवास पहुंचकर शोक संवेदनाएं व्यक्त की। प्रार्थना है कि ईश्वर दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें और शोकाकुल परिवार को इस अपार दुःख को सहने की शक्ति प्रदान करें।

-अर्जुनराम मेघवाल

प्रेरक प्रसंग

अनमोल भक्ति

आचार्य विनोबा भावे रेलगाड़ी से वर्धा जा रहे थे। उसी ट्रेन के डिब्बे में एक वृद्ध फ़कीर भी चढ़ा। फ़कीर ने भक्ति भाव से एक गीत गाना शुरू किया। उसकी मधुर आवाज़ और गीतों के भावों को सुनकर विनोबा जी भावविभोर हो उठे। डिब्बे में अन्य यात्री भी फ़कीर के गायन के जादू से मंत्रमुग्ध हो रहे थे। उसी डिब्बे में एक धनाढ्य जमींदार भी बैठा था। उसने अपने जेब से पांच रुपये का नोट निकाला और फ़कीर से बोला, 'एक-एक पैसा इकट्ठा करने से भला क्या होगा? मैं रुपये देता हूं, बस शर्त यह है कि तुम भजन की जगह फिल्मी गीत गाओ।' फ़कीर ने जवाब दिया, 'मैंने नियम बना रखा है कि परमात्मा के अलावा किसी की भी वाणी से प्रशंसा नहीं करूंगा।' जमींदार ने फिर सौ रुपये का नोट निकाला और कहा, 'नियम-वियम को ताक पर रखो, यह सौ रुपये लो और फिल्मी गीत गाओ।' फ़कीर ने शांतिपूर्वक उत्तर दिया, 'आप एक लाख रुपये देंगे तब भी मैं भगवान की स्तुति के अलावा किसी और के गीत नहीं गाऊंगा।' फ़कीर के इन शब्दों को सुनकर आचार्य विनोबा भावे इतने प्रभावित हुए कि उन्होंने उठकर उसे गले से लगा लिया और बोले, 'आज पता चला है कि सूरदास, तुलसीदास और मीराबाई की परंपरा के सच्चे भक्त अभी भी इस पृथ्वी पर हैं।

सामयिक

संविधानः लोकतंत्र की आत्मा और सुशासन का आधार

ललित गर्ग
मोबाइल : 9811051133

संविधान किसी भी राष्ट्र का चरित्र, मर्यादा और दिशा निर्धारित करता है। यह केवल विधिक दस्तावेज नहीं होता, बल्कि एक जीवंत मूल्य-व्यवस्था होती है जो राष्ट्र की आत्मा को परिभाषित करती है। संविधान दिवस हमें यह स्मरण कराता है कि भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण लोकतंत्र की स्थिरता, एकता और प्रगति का आधार हमारे संविधान की दूरदर्शिता, उदारता और संतुलन है। इसलिए किसी भी राष्ट्र में सुशासन की पहली और अनिवार्य शर्त यही है कि संविधान सर्वोच्च प्राथमिकता पर रहे, केवल शासन के लिए ही नहीं, बल्कि नागरिक जीवन के हर व्यवहार, आचरण और विचार में भी।

भारत गणराज्य का संविधान 26 नवम्बर 1949 को बनकर तैयार हुआ था। संविधान सभा के प्रारूप समिति के अध्यक्ष डॉ भीमराव आंबेडकर के 125वें जयंती वर्ष के रूप में 26 नवम्बर 2015 से भारत सरकार द्वारा संविधान दिवस सम्पूर्ण भारत में हर वर्ष मनाया जा रहा है। इससे पहले इसे राष्ट्रीय कानून दिवस के रूप में मनाया जाता था। संविधान सभा ने भारत के संविधान को 2 वर्ष 11 माह 18 दिन में 26 नवम्बर 1949 को पूरा कर राष्ट्र को समर्पित किया और 26 जनवरी 1950 से संविधान अमल में लाया गया। भारत को एक संपूर्ण प्रभुत्व संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए तथा उसके समस्त नागरिकों को सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक न्याय, विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म प्राप्त कराने के लिए तथा उन सब में और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता, व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता और अखंडता, सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़संकल्प होकर इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित किया गया।

भारत का संविधान दुनिया के सबसे विस्तृत एवं आधुनिक संविधानों में माना जाता है। यह हमें केवल अधिकार ही नहीं देता, बल्कि कर्तव्यों की भावना भी जगाता है। यह हमें समानता, न्याय और स्वतंत्रता से सज्जित करता है, साथ ही यह भी बताता है कि इन आदर्शों को जीवित रखना प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। जब किसी राष्ट्र में संविधान की अवहेलना शुरू होती है, तब लोकतंत्र डगमगाने लगता है। इसलिए संविधान का सम्मान करना एक विधिक प्रक्रिया का पालन मात्र नहीं, बल्कि राष्ट्रीय चरित्र की बुनियाद है। आज संविधान दिवस पर यह प्रश्न महत्वपूर्ण है कि संविधान की प्रासंगिकता आज भी उतनी ही दृढ़ता से बनी हुई है या नहीं? उत्तर स्पष्ट है-हाँ, क्योंकि हमारा समाज परिवर्तनशील है, चुनौतियाँ बदलती हैं, लेकिन न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व जैसे मूल आदर्श समय से परे हैं। संविधान की उपयोगिता तभी सिद्ध होती है जब शासनकर्ता उसे सर्वोपरि मानें और नागरिक उसे जीवन का नैतिक मार्गदर्शक बनाएं।

इसी संदर्भ में यह भी विचारणीय है कि संविधान को केवल हाथ में लेकर जगह-जगह प्रदर्शन करना, जैसाकि कुछ राजनीतिक नेता, विशेषकर राहुल गांधी, करते हैं, क्या सचमुच संविधान के सम्मान का प्रतीक है? संविधान की प्रति का सार्वजनिक प्रदर्शन तब सार्थक होता है जब उसके मूल्यों को जीवन में उतारा जाए, उसके अनुच्छेदों का पालन किया जाए, उसके प्रति संयम, गरिमा और श्रद्धा रखी जाए। संविधान को राजनीतिक हथियार बनाकर भीड़ भावनाओं को उकसाने का प्रयास, संविधान की आत्मा के विरुद्ध है। संविधान को मंचों पर लहराना सम्मान नहीं, बल्कि उसकी गंभीरता का अवमूल्यन है। संविधान कोई राजनीतिक पोस्टर या प्रदर्शन की वस्तु नहीं, वह राष्ट्र की मर्यादा का दस्तावेज है, जिसे विवेक, संयम और ईमानदारी से समझने एवं पालन करने की आवश्यकता होती है।

संविधान निर्माता डॉक्टर भीमराव अंबेडकर का दृष्टिकोण भी यही रहा कि संविधान तभी सफल होगा जब उसके अनुयायी चरित्रवान, प्रतिबद्ध और राष्ट्रहित साधक हों। बाबा साहेब ने कहा था- संविधान कितना भी अच्छा क्यों न हो, यदि उसे चलाने वाले अच्छे नहीं होंगे तो वह खराब सिद्ध होगा। उनका यह चिंतन आज सबसे अधिक प्रासंगिक है। उन्होंने संविधान को बनाया, पर उससे भी अधिक उन्होंने एक नैतिक चेतना जागृत की कि संविधान की शक्ति उसके लेखों में नहीं, बल्कि उस नागरिक चेतना में है जो उसे पालन करने के लिए तैयार रहती है। अंबेडकर का यह भी आग्रह था कि संविधान को केवल राजनीतिक बहस का साधन न बनाया जाए, बल्कि समाज सुधार और मनुष्य निर्माण की दिशा में उसका प्रयोग हो। उनके अनुसार संविधान को समझना यानी भारतीय समाज की आत्मा को समझना।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी संविधान को सर्वोच्च सम्मान देते हुए उसे शासन का आधारस्तंभ बनाया है। वे बार-बार कहते रहे हैं कि संविधान हमारी शासन-व्यवस्था का पवित्र ग्रंथ है। उनकी दृष्टि में संविधान केवल कानूनों का संग्रह नहीं बल्कि अच्छे शासन, सामाजिक विश्वास और राष्ट्र निर्माण की आधारशिला है। संसद के आरंभिक सत्र हों, प्रमुख राष्ट्रीय अवसर हों या आम जनता से संवाद, हर बार उन्होंने संविधान को सर्वोच्च स्थान दिया है। उन्होंने यह भी कहा है कि संविधान का पालन करना केवल जिम्मेदारी नहीं, बल्कि राष्ट्रभक्ति का सर्वोच्च रूप है। उनकी सरकार की प्राथमिकता यही रही है कि प्रत्येक नीति, प्रत्येक निर्णय और प्रत्येक योजना संवैधानिक मूल्यों के अनुरूप हो। मोदी के नेतृत्व में कई ऐसे प्रयास हुए जिनका उद्देश्य संविधान के प्रति जन-जागरण बढ़ाना था, जैसे संविधान के प्रति कर्तव्य पालन' अभियान, लोकतांत्रिक संस्थाओं को सुदृढ़ करना, पारदर्शी शासन एवं नागरिकों के अधिकारों की सुरक्षा। उन्होंने संविधान दिवस को केवल समारोह न बनाकर राष्ट्रीय आत्मचिंतन का पर्व बनाने का प्रयास किया, जिससे हर नागरिक संविधान को केवल पढ़े नहीं बल्कि महसूस करे, समझे और जिए।

संविधान का सम्मान केवल शासन की जिम्मेदारी भर नहीं है, बल्कि यह हर नागरिक के जीवन का हिस्सा होना चाहिए। यदि नागरिक संविधान को केवल विद्यालयों की पाठ्यपुस्तकों में सीमित मानते रहेंगे, तो यह राष्ट्र अपने लोकतांत्रिक आदर्शों से दूर होता जाएगा। संविधान का वास्तविक सम्मान तब है जब हम अपने दैनिक जीवन में समानता का पालन करें, न्याय को महत्व दें, धर्मनिरपेक्ष दृष्टि रखें, किसी के साथ भेदभाव न करें, हिंसा या अराजकता के बजाय संवाद एवं शांति का मार्ग चुनें। आज जब दुनिया में असहिष्णुता, चरमपंथ और राजनीतिक कटुता बढ़ रही है, तब हमारा संविधान एक शीतल छाया की तरह हमें संरक्षण देता है। यह हमें बताता है कि राष्ट्र केवल सत्ता परिवर्तन का खेल नहीं बल्कि मूल्यों की निरंतरता है। संविधान इन्हीं मूल्यों को स्थिर रखता है।

संविधान दिवस हमें यह भी याद दिलाता है कि संविधान का सम्मान केवल राष्ट्रीय पर्वों पर नहीं बल्कि प्रतिदिन के जीवन में होना चाहिए। नागरिकों के मन में संविधान के प्रति आदर की आदत विकसित हो, यह तभी संभव है जब समाज में संवैधानिक शिक्षण को मजबूत किया जाए, देश के नागरिकों को अधिकारों के साथ कर्तव्यों का बोध कराया जाए और हर स्तर पर संवैधानिक आचरण को प्रोत्साहित किया जाए। आज आवश्यकता है कि संविधान को राजनीतिक विवादों से ऊपर उठाया जाए। उसे नारा, प्रदर्शन और विरोध की वस्तु न बनाया जाए। बल्कि उसे एक ऐसे प्रकाश स्तंभ के रूप में देखा जाए जो हमें न्यायपूर्ण, समतामूलक और शांतिपूर्ण समाज की ओर ले जाता है। यदि हम संविधान का सम्मान करेंगे तो राष्ट्र मजबूत होगा; यदि हम इसकी अवमानना करेंगे तो लोकतंत्र कमजोर होगा।

संविधान दिवस केवल इतिहास का स्मरण नहीं है, यह भविष्य की जिम्मेदारी का बोध भी है। इसे मनाते हुए हमें अपनी राष्ट्रीय प्रतिज्ञा दोहरानी चाहिए कि हम संविधान की रक्षा करेंगे, उसके मूल्यों को जीवन में उतारेंगे और अपने देश को ऐसा बनाएंगे जैसा हमारे संविधान ने परिकल्पित किया है, न्यायपूर्ण, समानतामूलक, स्वतंत्र और बंधुत्वपूर्ण इसी में भारत का भविष्य है, इसी में हमारी लोकतांत्रिक शक्ति का चरम है, और इसी में एक प्रगतिशील राष्ट्र की आत्मा बसती है।

नजरिया

जरूरी है एआई के पर्यावरणीय प्रभावों का आकलन

मनीष कुमार चौधरी
मोबाइल : 9829453147

एआई का तेजी से विकास इसके नैतिक निहितार्थों और पर्यावरणीय प्रभाव को लेकर चिंताएं बढ़ाने लगा है। एआई के उपयोग में वृद्धि ने अधिक डेटा और कंप्यूटिंग शक्ति की मांग को बढ़ा दिया है, जिससे हमारे प्राकृतिक संसाधनों पर भारी दबाव पड़ा है। अधिकांश एआई सर्वर डेटा केंद्रों में संग्रहीत होते हैं, जो इलेक्ट्रॉनिक अपशिष्ट उत्पन्न करते हैं। उनमें पारा और सीसा जैसे जहरीले रसायन हो सकते हैं। डेटा केंद्र भारी मात्रा में बिजली की खपत करते हैं, जिससे ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन होता है। उन्हें निर्माण और विद्युत घटकों को ठंडा करने के लिए बड़ी मात्रा में पानी की आवश्यकता होती है। वैश्विक एआई मांग 2027 तक 4.2-6.6 बिलियन क्यूबिक मीटर पानी की खपत होने की उम्मीद है। डिजिटल अर्थव्यवस्था को कभी-कभी आभासी या क्लाउड' के रूप में देखा जाता है, फिर भी यह भौतिक संसाधनों और कच्चे माल पर अत्यधिक निर्भर है। डिजिटल उपकरण, हार्डवेयर और बुनियादी ढांचा प्लास्टिक, कांच, सिरेमिक और विभिन्न खनिजों व धातुओं से बने होते हैं। डेटा केंद्र खनिजों और दुर्लभ तत्वों पर निर्भर करते हैं, जिनका अक्सर अस्थिर तरीके से खनन किया जाता है। दो किलोग्राम के कंप्यूटर को बनाने में लगभग 800 किलोग्राम कच्चे माल की आवश्यकता होती है। चैटजीपीटी जैसे एआई संचालित वर्चुअल असिस्टेंट पारंपरिक सर्च इंजनों की तुलना में अधिक ऊर्जा का उपयोग करते हैं। अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईइए) के अनुसार, एक चैटजीपीटी अनुरोध के लिए गूगल खोज की तुलना में दस गुना अधिक बिजली की आवश्यकता होती है। औसत चैटजीपीटी क्वेरी की लागत लगभग 0.36 सेंट (यूएस डॉलर) है।

वर्ष 2021 में मशीन लर्निंग और एआई की वैश्विक बिजली मांग में 0.2 प्रतिशत से भी कम और वैश्विक ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में 0.1 प्रतिशत से भी कम हिस्सेदारी थी। हाल के वर्षों में, मेटा ने मशीन लर्निंग प्रशिक्षण और अनुमान के लिए कंप्यूटिंग मांग में 100 प्रतिशत से अधिक की वार्षिक वृद्धि देखी है। जैसे-जैसे एआई का उपयोग बढ़ेगा, ऊर्जा की मांग भी बढ़ेगी, जिससे ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करने के लिए कम कार्बन ऊर्जा स्रोतों का उपयोग आवश्यक हो जाएगा। डेटा केंद्र विभिन्न अनुप्रयोगों, जैसे वेबसाइट, क्लाउड या एआई सेवाओं के लिए डेटा के भंडारण, प्रसंस्करण और वितरण की रीढ़ हैं। एआई तकनीक वाले डेटा केंद्र अपने जटिल इलेक्ट्रॉनिक्स को चलाने के लिए भारी मात्रा में ऊर्जा की खपत करते हैं, जिसका अधिकांश हिस्सा अभी भी जीवाश्म ईंधन से आता है, जिसका ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में योगदान होता है। डेटा संग्रहण के लिए आवश्यक ऊर्जा 2026 तक दोगुनी होने की उम्मीद है। हम डिजिटल युग में रहते हैं, जहां हमारे जीवन को निर्देशित करने वाली कई प्रक्रियाएं कंप्यूटर कोड के अंदर हमसे छिपी हुई हैं। यही कारण है कि हमें आगे बढ़ते हुए अधिक पारदर्शिता और पर्यावरण-अनुकूल कृत्रिम बुद्धिमत्ता की मांग करनी चाहिए। हमें नई तकनीकों के प्रति जागरूक उपभोक्ता बनने की जरूरत है। यह समझते हुए कि हमारे द्वारा उपयोग किए जाने वाले, सहेजे जाने वाले या उत्पन्न किए जाने वाले प्रत्येक डेटा की वास्तविक दुनिया में एक लागत होती है। आईइए के अनुसार, एक गूगल सर्च में 0.3 वाट-घंटे बिजली खर्च होती है, जबकि एक चैटजीपीटी अनुरोध में 2.9 वाट-घंटे बिजली खर्च होती है। अगर चैटजीपीटी को प्रतिदिन की जाने वाली 9 अरब खोजों में एकीकृत कर दिया जाए, तो बिजली की मांग सालाना 10 टेरावाट-घंटे बढ़ जाएगी, जो यूरोपीय संघ (ईयू) के लगभग 15 लाख निवासियों द्वारा खपत की जाने वाली मात्रा है।

किसी उपकरण के साथ आप उसे अपने सॉकेट में लगाते हैं तो आपको पता होता है कि वह किस ऊर्जा ग्रिड का उपयोग कर रहा है और लगभग कितनी ऊर्जा का उपयोग कर रहा है। लेकिन जब आप गूगल मैप्स पर कोई सर्च कर रहे होते हैं या चैटजीपीटी से बात कर रहे होते हैं, तो आपको वास्तव में पता नहीं होता कि प्रक्रिया कहां चल रही है। भौतिक रूप से हमारे पास बहुत सारा डेटा है। हम बहुत सारा डेटा संग्रहीत कर रहे हैं। एआई मॉडल्स को प्रशिक्षित करने में भी ऊर्जा की खपत होती है। असल में आप जिस भी डेटा पर अपने मॉडल को प्रशिक्षित करना चाहते हैं, उसे हजारों बार अपने मॉडल पर चला रहे हैं। यह हजार चिप्स के हजार घंटे चलने जैसा होगा। यह एक तरह का दुष्चक्र है। जब आप एआई मॉडल्स तैनात करते हैं तो आपको उन्हें हमेशा चालू रखना होता है। चैटजीपीटी कभी बंद नहीं होता। डेटा सेंटर्स के सर्वर भी गर्म हो जाते हैं। इन डेटा सेंटरों को ठंडा करने के लिए कई तरह की तकनीकें अपनाई जाती हैं। कभी-कभी यह एयर कूलिंग होती है, लेकिन ज्यादातर यह अनिवार्य रूप से पानी का संचारण होता है। जैसे-जैसे ये डेटा सेंटर ज्यादा सघन होते जाते हैं, इन्हें ज्यादा कूलिंग की भी जरूरत होती है, इसलिए इसमें ज्यादा पानी का इस्तेमाल होता है। खासकर हाइपरस्केल वाले डेटा सेंटर, जिन पर एआई चलता है। उनके पास ऊर्जा के विश्वसनीय स्रोत होने चाहिए। इसलिए, अक्सर ये ऐसी जगहों पर बनाए जाते हैं जहां गैर-नवीकरणीय ऊर्जा स्रोत उपलब्ध हों, जैसे प्राकृतिक गैस से उत्पन्न ऊर्जा या कोयले से उत्पन्न ऊर्जा, जहां आप एक स्विच दबाते हैं और ऊर्जा उपलब्ध हो जाती है। सौर या पवन ऊर्जा के साथ ऐसा करना मुश्किल होता है, क्योंकि अक्सर मौसम संबंधी कारक और ऐसी ही चीजें होती हैं। इसलिए हमने देखा है कि बड़े डेटा सेंटर ऐसी जगहों पर बनाए जाते हैं जहां ग्रिड अपेक्षाकृत कार्बन-गहन होता है। वर्ष 2023 में डेटा केंद्रों ने अमेरिका की कुल बिजली का 4.4 प्रतिशत उपभोग किया। यह संख्या 2028 तक तीन गुना हो सकती है। एआई का तेजी से विस्तार पानी के उपयोग, उत्सर्जन और ई-कचरे को भी बढ़ा रहा है। वर्ष 2030-2035 तक डेटा सेंटर वैश्विक बिजली उपयोग का 20 प्रतिशत हिस्सा हो सकते हैं, जिससे पावर ग्रिड पर भारी दबाव पड़ेगा। शुरुआत में कंप्यूटिंग में ऊर्जा संबंधी चिंताएं उपभोक्ता-केंद्रित थीं, जैसे मोबाइल उपकरणों में बैटरी लाइफ में सुधार..। आज ध्यान पर्यावरणीय स्थिरता, कार्बन फुटप्रिंट में कमी और एआई मॉडल को अधिक ऊर्जा कुशल बनाने पर केंद्रित हो रहा है। एआई, विशेष रूप से बड़े भाषा मॉडल (एलएलएम) के लिए, विशाल कम्प्यूटेशनल संसाधनों की आवश्यकता होती है। इन मॉडलों के प्रशिक्षण में हजारों ग्राफिक्स प्रोसेसिंग यूनिट (जीपीयू) महीनों तक लगातार चलते रहते हैं, जिससे बिजली की खपत अधिक होती है। एआई मॉडल प्रशिक्षण में बार-बार गणनाओं के माध्यम से अरबों मापदंडों का प्रशिक्षण या समायोजन शामिल है, जिसके लिए अत्यधिक प्रसंस्करण शक्ति की आवश्यकता होती है। इस प्रक्रिया के लिए उच्च-प्रदर्शन कंप्यूटिंग (एचपीसी) अवसंरचना की जरूरत होती है, जिसमें हजारों जीपीयू और टीपीयू (टेंसर प्रोसेसिंग यूनिट, एक विशेष चिप जो मशीन लर्निंग कार्यों की गति में सुधार करती है) के साथ-साथ सीपीयू शामिल होते हैं, जो सभी समानांतर रूप से चलते हैं। प्रत्येक प्रशिक्षण सत्र में हफ्तों या महीनों का समय लग सकता है, जिससे भारी मात्रा में बिजली की खपत होती है। इसके अतिरिक्त एआई मॉडलों को प्रासंगिक बने रहने के लिए अक्सर बार-बार पुनर्प्रशिक्षण की आवश्यकता होती है, जिससे ऊर्जा की खपत और बढ़ जाती है। बुनियादी ढांचे की विफलताएं, सॉफ्टवेयर की अक्षमताएं और एआई मॉडलों की बढ़ती जटिलताएं इस तनाव को और बढ़ा देती हैं, जिससे एआई प्रशिक्षण आधुनिक युग में सबसे अधिक संसाधन-गहन कंप्यूटिंग कार्यों में से एक बन गया है। वर्ष 2014 से 2023 तक सर्वर ऊर्जा उपयोग तीन गुना से भी अधिक हो गया।

एआई को और अधिक टिकाऊ बनाने के प्रयासों का नेतृत्व करने में विश्वविद्यालयों और अनुसंधान संगठनों की महत्वपूर्ण भूमिका है। अनुसंधान रणनीतिक योजनाओं और नीतिगत सिफारिशों के माध्यम से स्थिरता को प्रोत्साहित करने से उद्योग को हरित समाधानों की ओर अग्रसर किया जा सकता है और नियामक निर्णयों को प्रभावित किया जा सकता है। अनुसंधान संस्थान कंप्यूटर वैज्ञानिकों, पर्यावरण शोधकर्ताओं और नीति निर्माताओं के बीच अंत:विषय सहयोग को भी बढ़ावा दे सकते हैं ताकि ऐसे समग्र समाधान विकसित किए जा सकें जो एआई प्रगति को पर्यावरणीय जिम्मेदारी के साथ संतुलित कर सकें। आईइए का अनुमान है कि अगले पांच वर्षों में अक्षय ऊर्जा डेटा सेंटर से अतिरिक्त बिजली की आधी मांग को पूरा करेगी, उसके बाद प्राकृतिक गैस, कोयला और परमाणु ऊर्जा होगी। हालांकि इनमें से बहुत से ऊर्जा मांग पूर्वानुमान वर्तमान रुझानों पर आधारित अनुमान हैं। बहुत सी चीजें बहुत तेजी से बदल रही हैं। अच्छी खबर यह है कि कंप्यूटर ज्यादा कुशल होते जा रहे हैं। एआई और क्रिप्टो ग्राफिकल प्रोसेसिंग यूनिट, इन तकनीकों के पीछे की गणनाओं के लिए अनुकूलित चिप्स का उपयोग करते हैं। जैसे-जैसे कंप्यूटर प्रोसेसर अधिक कुशल होते जाते हैं, उन्हें चलाने में कम लागत आती है, जिससे कुछ ऊर्जा बचत की भरपाई हो सकती है।

महत्त्वपूर्ण
Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

मास्क डांस

कोलकाता में कलाकार मंगलवार को कोलकाता के विक्टोरिया मेमोरियल में वर्ल्ड हेरिटेज वीक 2025 सेलिब्रेशन के हिस्से के तौर पर 'गोमीरा' मास्क डांस करते हुए।

लगभग हर दस मिनट में साथी या परिजन के हाथों मारी जा रही एक महिला या लड़की : संरा रिपोर्ट

न्यूयॉर्क/भाषा

संयुक्त राष्ट्र द्वारा जारी एक नए आंकड़े के अनुसार लगभग हर दस मिनट में एक महिला या लड़की की उसके साथी या परिजन द्वारा हत्या कर दी जाती है, यानी औसतन रोजाना 137 महिलाएं या लड़कियां। संयुक्त राष्ट्र मादक पदार्थ एवं अपराध कार्यालय (यूएनओडीसी) और संयुक्त राष्ट्र महिला ने सोमवार को जारी अपनी रिपोर्ट में कहा कि स्त्री हत्या (लैंगिक आधार पर की गई हत्या) के कारण दुनिया भर में हजारों महिलाओं और लड़कियों की जान जा रही है, तथा इसमें कोई वास्तविक प्रगति नहीं दिख रही है। रिपोर्ट में कहा गया है, पिछले साल 83,000 महिलाओं और लड़कियों की जानबूझकर हत्या कर दी गई। इनमें से 60 प्रतिशत यानी 50,000 महिलाओं और लड़कियों की हत्या उनके अंतरंग साथी या परिवार के सदस्यों के हाथों हुई।

इसका मतलब है कि लगभग हर 10 मिनट में एक महिला या लड़की की हत्या उसके साथी या परिवार के सदस्य द्वारा की जाती है - यानी औसतन हर दिन 137 महिलाओं या लड़कियों की हत्या। इसके विपरीत, उसी वर्ष केवल 11 प्रतिशत पुरुष हत्याएं अंतरंग साथी या परिवार के सदस्यों द्वारा की गईं। यूएनओडीसी कार्यकारी निदेशक जॉन ब्रैंडोलिनो ने कहा, दुनिया भर में बहुत सी महिलाओं और लड़कियों के लिए घर खतरनाक और कभी-कभी जानलेवा स्थान बना हुआ है। ब्रैंडोलिनो ने महिला हत्या के प्रति बेहतर रोकथाम रणनीतियों और आपराधिक न्याय प्रतिक्रियाओं की आवश्यकता पर बल दिया, जो उन स्थितियों को ध्यान में रखें जो हिंसा के इस चरम रूप को बढ़ावा देती हैं।

संयुक्त राष्ट्र महिला नीति प्रभाग की निदेशक सारा हेंड्रिक्स ने ऑनलाइन हिंसा के खतरे पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि डिजिटल हिंसा अक्सर केवल 'ऑनलाइन' ही सीमित नहीं रहती और यह 'ऑफलाइन' बढ़ सकती है और गंभीर मामलों में इससे जानलेवा नुकसान, जिसमें महिलाओं की हत्या भी शामिल है, होने का खतरा होता है। महिलाओं और लड़कियों को दुनिया के हर क्षेत्र में इस चरम स्वरूप की हिंसा का सामना करना पड़ता है। अनुमान है कि किसी करीबी साथी या परिजन के हाथों सबसे अधिक महिला हत्या (फेमिसाइड) दर अफ्रीका में रही (प्रति 1,00,000 महिला आबादी पर 3)। इसके बाद अमेरिका (1.5), ओशिनिया (1.4), एशिया (0.7) और यूरोप (0.5) का स्थान है।

मदद

बस्तर में बूथ लेवल ऑफिसर मंगलवार को छत्तीसगढ़ के बस्तर जिले के बुरुंडवाड़ा सेमरा गांव में वोटर लिस्ट के स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन के लिए एन्यूमरेशन फॉर्म भरने में वोटरों की मदद करते हुए।

अर्जुन रामपाल ने झेला ऐसा संघर्ष कि घर चलाना हुआ मुश्किल

मुंबई/एजेन्सी

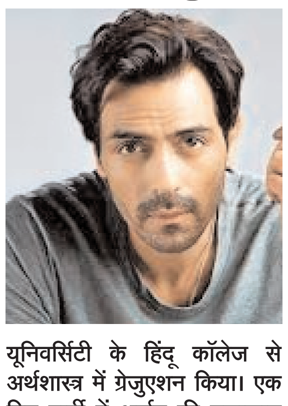

बॉलीवुड में कई सितारे ऐसे रहे हैं, जिन्हें देखने पर लगता है कि उनकी जिंदगी शुरू से ही चमक और शोहरत से भरी रही होगी। अर्जुन रामपाल भी उन्हीं चेहरों में से एक हैं। मॉडल जैसी पर्सनैलिटी देखकर कोई भी कहेगा कि उनका सफर बहुत आसान होगा। लेकिन, असलियत इससे बिल्कुल अलग है। शुरुआत में अर्जुन को ऐसे दौर से गुजरना पड़ा, जब रोजमर्रा का खर्च चलाना भी उनके लिए मुश्किल हो जाता था। यह संघर्ष उनकी जिंदगी का ऐसा पहलू है, जिसे बहुत कम लोग जानते हैं। अर्जुन रामपाल का जन्म 26 नवंबर 1972 को मध्य प्रदेश के जबलपुर में हुआ था। उनका परिवार मिलिट्री बैकग्राउंड से जुड़ा था। उनके नाना ब्रिगेडियर गुरदयाल सिंह भारतीय सेना के लिए पहली आर्टिलरी गन डिजाइन करने वाली टीम का हिस्सा थे। अर्जुन जब काफी छोटे थे, तब उनके माता-पिता का तलाक हो गया था। इसके बाद उनका पालन-पोषण उनकी मां ने किया, जो एक स्कूल टीचर थीं।

स्कूल की शिक्षा महाराष्ट्र में हुई और आगे की पढ़ाई के लिए वह दिल्ली आ गए और यहां पर दिल्ली यूनिवर्सिटी के हिंदू कॉलेज से अर्थशास्त्र में ग्रेजुएशन किया। एक दिन पार्टी में अर्जुन की मुलाकात फैशन डिजाइनर रोहित बल से हुई और उन्होंने मॉडलिंग करने का ऑफर दिया। देखते ही देखते वह भारत के टॉप मॉडल्स में गिने जाने लगे। साल 1994 में उन्हें मॉडलिंग के लिए 'सोसाइटी फेस ऑफ द ईयर' अवॉर्ड भी मिला। लेकिन, हर चमक के पीछे एक कहानी होती है। मॉडलिंग में नाम बनाने के बावजूद कमाई बहुत अनियमित थी।अर्जुन ने एक इंटरव्यू में खुद बताया था कि फिल्मों में आने की कोशिशों के दौरान उनकी हालत ऐसी हो गई थी कि कई बार उनके पास खाना खरीदने तक के पैसे नहीं होते थे। दिखने में मॉडल जैसे पर जिंदगी में वह संघर्ष कर रहे थे कि घर कैसे चलेगा, आने वाले दिनों में काम मिलेगा भी या नहीं। ऐसे ही संघर्ष भरे दिनों में अर्जुन को अपनी पहली फिल्म 'मोक्ष' मिली, लेकिन यह फिल्म बनने में पांच साल लग गए। इस बीच उन्होंने मॉडलिंग छोड़ दी थी और कोई तय काम भी नहीं था। आखिरकार 2001 में उनकी पहली रिलीज फिल्म 'प्यार इश्क और मोहब्बत' आई। यह फिल्म भले बॉक्स ऑफिस पर नहीं चली, लेकिन अर्जुन की एक्टिंग की जमकर तारीफ हुई। इसी फिल्म के लिए उन्हें आईफा का फेस ऑफ द ईयर अवॉर्ड मिला। इसके बाद उन्हें लगातार फिल्में मिलने लगीं।

अर्जुन ने 'दीवानापन,' 'दिल का रिश्ता,' और 'वादा' जैसी फिल्मों में रोमांटिक भूमिकाएं निभाईं, जिन्हें दर्शकों ने पसंद तो किया, लेकिन ये फिल्में खास हिट नहीं हो सकीं। फिर भी अर्जुन के लुक और अभिनय ने इंडस्ट्री में पकड़ को बनाए रखा।

अर्जुन के करियर में बड़ा मोड़ 2006 और 2007 के बीच आया। शाहरुख खान की फिल्म 'डॉन' में उनका किरदार लोगों के बीच चर्चा का विषय बना। लेकिन, असली पहचान उन्हें 'ओम शांति ओम' में निभाए गए खलनायक के रोल से मिली। उन्हें खतरनाक विलेन के रूप में देखकर दर्शक हैरान रह गए।

विरोध रैली

पश्चिम बंगाल मान्यता प्राप्त गैर-सहायता प्राप्त मदरसा टीचर्स एसोसिएशन के सदस्य मंगलवार को कोलकाता में सरकारी मदद की मांग को लेकर एक विरोध रैली में हिस्सा लेते हुए।

स्मृति मंधाना के अकाउंट से शादी से पहले के सोशल मीडिया पोस्ट गायब

नयी दिल्ली/भाषा

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की स्टार बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने संगीतकार पलाश मुछाल के साथ अपनी शादी से पहले के जश्न से जुड़े सोशल मीडिया पोस्ट डिलीट कर दिए हैं। उनके पिता के अस्पताल में भर्ती होने के कारण मुख्य समारोह अनिश्चितकाल के लिए टाल दिया गया है। स्मृति और पलाश 23 नवंबर को महाराष्ट्र में इस क्रिकेटर के गृहनगर सांगली में शादी करने वाले थे। स्मृति के पिता के दिल की बीमारी की वजह से अस्पताल में भर्ती होने के बाद समारोह रोक दिया गया। हालांकि सगाई और दूसरे जश्न से पहले के वायरल सोशल मीडिया पोस्ट स्मृति के पेज से गायब होने के बाद इस जोड़ी के बीच के रिश्ते को लेकर अटकलें तेज हो गई हैं।

सगाई की घोषणा का वीडियो भी अब उनके पेज पर नहीं दिख रहा जिसमें स्मृति भारतीय टीम की अपनी कुछ साथियों के साथ 'लगे रहो मुन्नाभाई' के गाने 'समझो हो ही गया' पर नाच रही थीं। इसे असल में टीम की उनकी साथी और करीबी दोस्त जेमिमा रोड्रिग्स ने साझा किया था लेकिन यह उनके इंस्टाग्राम अकाउंट पर भी नहीं दिख रहा है।

पीछे सन्नाटा छोड़ गए- धर्मेंद्र देओल को याद करके भावुक हुए महानायक अमिताभ बच्चन

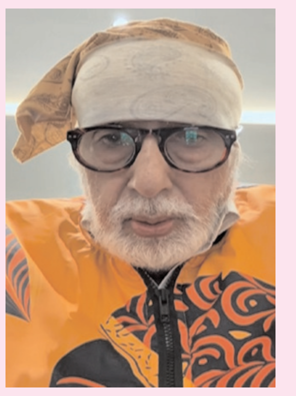

नई दिल्ली। तलाश कभी खत्म नहीं होती, लेकिन वक्त खत्म हो जाता है, ही-मैन धर्मेंद्र देओल का ये डायलॉग हमेशा फैंस के दिलों में जिंदा रहेगा। धर्मेंद्र भले ही इस दुनिया से विदा ले चुके हों, लेकिन उनके प्रशंसकों का प्यार और उन्हें याद करने का सिलसिला लगातार जारी है। उनके प्रति सम्मान जताते हुए दिग्गज अभिनेता अमिताभ बच्चन, कमल हासन और राम चरण ने भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की है। अमिताभ बच्चन ने सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म एक्स पर धर्मेंद्र को याद करते हुए बेहद भावुक संदेश साझा किया। उन्होंने लिखा, एक और महान हस्ती हमें छोड़कर चली गई। अखाड़ा खाली हो गया, और उनके जाने से जो खामोशी पैदा हुई है, वह असहनीय है, एक सन्नाटा रह गया है। धरम जी महानता का प्रतीक थे, जो सिर्फ अपने दमदार व्यक्तित्व के लिए ही नहीं, बल्कि अपने विशाल हृदय और अद्भुत सादगी के लिए भी याद किए जाएंगे। बच्चन ने आगे लिखा, वे अपने साथ पंजाब के गांव की मिट्टी की महक लेकर आए थे और जीवन भर उसी से जुड़े रहे। अपने शानदार फिल्मी सफर में वे हमेशा बेदाग रहे, ऐसे दौर में जब हर दशक में बहुत कुछ बदलता रहा। उनके जाने से हमारे आसपास की हवा जैसे हल्की पड़ गई है। ये एक ऐसा शून्य है, जो कभी भरा नहीं जा सकेगा। ढेरों प्रार्थनाएं।

वहीं साउथ सुपरस्टार राम चरण ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, महान अभिनेता धर्मेंद्र के निधन की खबर सुनकर बहुत दुख हुआ। एक ऐसा सितारा जिसने लाखों दिलों को छुआ और भारतीय सिनेमा की सूरत बदल दी। उनके परिवार, दोस्तों और प्रशंसकों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदनाएं। राजनेता और एक्टर कमल हासन ने लिखा, मेरे प्रिय मित्र और महान अभिनेता धर्मेंद्र के निधन से मुझे गहरा दुःख हुआ है। धर्मेंद्र का आकर्षण, विनम्रता और दृढ़ मनोबल पर्दे पर जितना था, पर्दे के पीछे भी उतना ही था। भारतीय सिनेमा ने अपने सबसे दयालु व्यक्तित्वों में से एक को खो दिया है। उनके परिवार और प्रशंसकों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदना। बता दें कि धर्मेंद्र ने 89 साल की उम्र में 24 नवंबर को दुनिया को अलविदा कह दिया है।

टीवी मेरे लिए दर्शकों से जुड़ने वाला एक पुल है: अमनदीप सिद्धू

मुंबई/एजेन्सी

टीवी हमारे जीवन का एक अहम हिस्सा बन गया है। छोटे पर्दे ने न सिर्फ हमें मनोरंजन दिया है, बल्कि हमारी सोच, हमारी भावनाओं और हमारे रिश्तों को समझने का तरीका भी बदल दिया है। वर्ल्ड टेलीविजन डे पर आईएएनएस से बात करते हुए टीवी एक्ट्रेस अमनदीप सिद्धू ने अपने अनुभव साझा किए कि कैसे यह माध्यम उनके जीवन और करियर दोनों में एक अहम भूमिका निभा रहा है। उन्होंने बताया कि टीवी इंडस्ट्री में काम करना सिर्फ एक नौकरी नहीं है, बल्कि यह उन्हें सीखने, बढ़ने और दर्शकों के साथ गहरे भावनात्मक रूप से जुड़ने का जरिया भी देता है। आईएएनएस को दिए इंटरव्यू में अमनदीप ने कहा कि टीवी ने उन्हें बहुत कुछ दिया है। उन्होंने कहा, ''टीवी सिर्फ करियर बनाने का जरिया नहीं है, बल्कि एक ऐसा प्लेटफॉर्म है जिसने मुझे अपनी आवाज और मकसद खोजने में मदद की है। इसके जरिए मैं लोगों के साथ जुड़ पाती हूं और अपनी कहानियों के माध्यम से भावनाओं और अनुभवों को साझा कर सकती हूं। टीवी मेरे लिए दर्शकों से जुड़ने वाला एक पुल है, जहां कहानी और भावनाएं सीधे लोगों तक पहुंचती हैं।''उन्होंने आगे कहा, ''टीवी पर काम करना मेरे लिए एक सपने जैसा अनुभव है। एक्टिंग हमेशा से मेरा शौक रहा है और हर दिन नए किरदार में ढलना मुझे अंदर से बेहद खुशी देता है।

करण टैकर ने 'खाकी : द बिहार चैप्टर' के 3 साल का जश्न मनाया

मुंबई/एजेन्सी

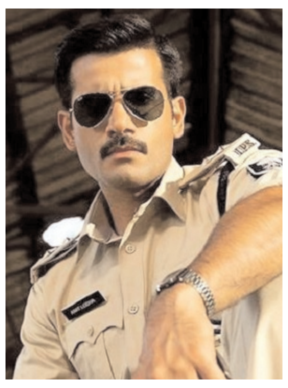

अपनी अगली रिलीज़ भय: द गौरव तिवारी मिस्ट्री की तैयारियों के बीच, करण टैकर ने आज थोड़ी देर रुककर उस शो को याद किया जिसने अपनी ज़िंदगी में बड़ा मोड़ लाया खाकी: द बिहार चैप्टर। शो के 3 साल पूरे होने पर उन्होंने इंस्टाग्राम पर दिल से लिखा: तीन साल बाद भी ये सफर वैसे ही लगता है जिसने मुझे ठहराया कलाकार एक नई आवाज़ दी। आप सबको प्यार और सपोर्ट के लिए दिल से शुक्रिया। व=ज खाकी: द बिहार चैप्टर में करण ने खझड अमित लोढ़ा का किरदार निभाया था एक ऐसा ऑफिसर जो क्राइम से टक्कर लेने में कभी पीछे नहीं हटता। असली खझड अमित लोढ़ा से प्रेरित यह किरदार करण की मजबूत और ज़मीन से जुड़ी जिम्मेदारियों की वजह से लोगों के दिल में बस गया और जढ्ढ पर उनकी पकड़ और भी पक्की हो गई। पहले से ही फैन-फेवरेट रहे करण के लिए खाकी ने ये साफ़ कर दिया कि वो यहाँ लंबी दौड़ के लिए आए हैं शो आज भी दर्शकों के बीच उतना ही पसंद किया जाता है। डायरेक्टर-प्रोड्यूसर नीरज पांडे के लिए अपना आभार जताते हुए करण ने लिखा: नीरज सर ने हमेशा मुझमें ऐसे करतब देखे हैं, जिनके बारे में मैंने खुद भी नहीं सोचा था. खाकी के लिए उनका भरोसा ये मेरे लिए हमेशा खास रहेगा. इस माइलस्टोन को याद करते हुए अब करण एक नई रोमांचक कहानी की ओर बढ़ रहे हैं भय: द गौरव तिवारी मिस्ट्री जिसमें उनका एक बिल्कुल नया रूप देखने को मिलेगा, जिसका इंतज़ार विनीत बेसब्री से कर रहे हैं।

प्रकृति मेरी आत्मा को रीसेट कर देती है : कुब्रा सैत

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री कुब्रा सैत अपने जीवन के सबसे रोमांचक निजी सफ़र में से एक के लिए तैयार हैं और वो है 1 दिसंबर से शुरू होने वाली शक्तिशाली ब्रह्मपुत्र नदी पर 12 दिन की राफ्टिंग एक्सपीडिशन। अपनी फिल्मों 'देवा', 'सन ऑफ सरदार 2' और 'द ट्रायल सीज़न 2' में अपने प्रभावशाली प्रदर्शन के बाद, अब कुब्रा स्क्रीन से दूर जंगलों की ओर रुख कर रही हैं, उस सपने की ओर जिसे वह पिछले सात वर्षों से अपने दिल में संजोए हुए थीं। अपने इस अनुभव को वे पागलपन से भरा अनुभव बताते हुए कहती हैं, यह सपना तब शुरू हुआ जब मैंने पहली बार उत्तराखंड के पिथौरागढ़ के पास काली नदी में राफ्टिंग की और तब से यह मेरी बकेट लिस्ट में है। मुझे यकीन है पिछली बार की तरह इस बार भी यह एक पागलपन भरा अनुभव होने वाला है। वैसे पिछले साल उन्होंने तंजानिया में माउंट किलिमंजारो फतह किया था, जिसे वे रोमांचक और रौंगटे खड़े कर देने वाला अनुभव बताती हैं। इस नए सफ़र के लिए कुब्रा जल्द ही असम के डिब्रूगढ़ पहुंचनेवाली हैं, जहाँ से वे अपने एक्सपीडिशन ग्रुप के साथ आगे बढ़ेंगी और पैडलिंग, राफ्टिंग और नदी किनारे टेंट में रातें बिताएंगी। उनकी माने तो उनके लिए सबसे बड़ी चुनौती और इनाम, यही होगा कि वे अपने आराम को प ी छ ` छोड़कर प्रकृति से सीधा सामंजस्य स्थापित करें। वे बताते हैं, ऐसे अभियानों में असली डर का सामना करने से मेरे करियर की चुनौतियाँ बहुत छोटी लगने लगती हैं।

जब आप प्रकृति की परीक्षा से गुजर चुके होते हैं, तो प्रोजेक्ट के न चलने या उन्हें न स्वीकारे जाने का डर नहीं रह जाता। यह एक हार्ड रीसेट जैसा है, कोई ताम-झाम नहीं, सिर्फ फोकस और ग्राउंडिंग। गंगा राफ्टिंग के दौरान अपने सीखे दर्शन को वे याद करते हुए कहती हैं, 'गो विद द फ्लो' का असली मतलब मैंने गंगा राफ़्टिंग के दौरान ही समझा था, जहां नदी किसी के लिए नहीं रुकती। जब आपके पास फोन नहीं होता और आप प्रकृति के बीच होते हैं, तो सन्नाटा भी अनुभव का हिस्सा बन जाता है।

लंबे अभियानों में न नेटवर्क होता है, न कोई ध्यान भटकाने वाली चीज़, बस आपका प्रकृति से रिश्ता गहरा होता चला जाता है। अपने गुज़रे समय को पीछे मुड़कर वे मुस्कुराते हुए देखती हैं और कहती हैं, यह साल कई 'पहलों' से भरा रहा और इसकी शुरुआत मेरी गर्ल गैंग के साथ महाकुंभ यात्रा से हुई थी। फिलहाल कुब्रा के प्रोफेशनल मोर्चे की बात करें तो वे अपनी अगली रोमांचक रिलीज़ के लिए तैयार हैं, जिनमें डेविड धवन की 'है जवानी तो इश्क होना है' और प्रकाश झा की 'लाल बत्ती' फ़िल्में शामिल हैं।

'लोग क्या कहेंगे'... इस दबाव से हटकर बच्चों के बारे में सोचें माता पिता : गिरिजा ओक

मुंबई/एजेन्सी

आज के समय में मानसिक स्वास्थ्य और भावनात्मक समझ को लेकर जागरूकता बढ़ रही है। इस बीच पंकज त्रिपाठी, मोहित छाबड़ा के साथ मिलकर वेब सीरीज 'परफेक्ट फैमिली' जैसी कहानी लेकर आ रहे हैं, जो दर्शकों को खुद को और अपने परिवार को बेहतर तरीके से समझने में मदद करती है। इसमें अभिनेत्री गिरिजा ओक अहम किरदार में हैं। रविवार को मेकर्स ने 'परफेक्ट फैमिली' का नया प्रोमो जारी किया, जिसमें गिरिजा ओक अपने किरदार नीति करकारिया के रूप में नजर आ रही हैं। प्रोमो से साफ है कि यह सीरीज सिर्फ एक पारिवारिक कहानी नहीं है, बल्कि बचपन की यादों, भावनाओं और उन अनकहे अनुभवों पर बात करती है, जिन्हें हम बड़े होने के बाद समझते हैं। शो में गिरिजा के साथ मनोज पाहवा, सीमा पाहवा, नेहा धूपिया और गुलशन देवैया जैसे कलाकार भी हैं, जिनकी मौजूदगी अपने आप में कहानी को मजबूत बनाती है। सभी कलाकार एक ऐसे परिवार के सदस्य के रूप में हैं, जिसकी कहानी कई दर्शकों को अपने घर की याद दिला सकती है। गिरिजा ओक ने इस सीरीज के बारे में बात करते हुए बताया कि बचपन का ट्रॉमा, यानी भावनात्मक चोट, बहुत अलग तरीके से काम करती है। जब बच्चा उसे जी रहा होता है, तब उसे यह एहसास नहीं होता कि वह किसी भारी अनुभव से गुजर रहा है। वह बस उसी समय की परिस्थितियों में खुद को संभालने की कोशिश कर रहा होता है।

उन्होंने कहा, ''हर माता-पिता अपने बच्चे के लिए अच्छा सोचते हैं, लेकिन कई बार वे समाज की राय या लोग क्या कहेंगे... जैसी सोच में उलझ जाते हैं। अगर माता-पिता इस दबाव को हटाकर सिर्फ अपने बच्चे के हित में सोचें, तो वे समझ पाएंगे कि बच्चे के लिए क्या सही है और क्या नहीं। बच्चों की भावनाओं को समझना और सही फैसले लेना बड़ों की जिम्मेदारी है।'' गिरिजा का कहना है कि आज के समय में माता-पिता ज्यादा जागरूक और भावनात्मक रूप से संवेदनशील हो रहे हैं। इसी कारण भविष्य में कम लोगों को बचपन से जुड़ी परेशानियों के लिए थेरेपी की जरूरत पड़ेगी। गिरिजा ने बताया कि यह सीरीज उनके दिल के काफी करीब है। स्क्रिप्ट पढ़ते समय उन्हें महसूस हुआ कि यह किसी कहानी की किताब जैसा है। पहले कुछ एपिसोड पढ़ते ही उन्हें ऐसा लगा मानो वे किसी अच्छी नॉवेल में डूब गई हों। उन्होंने कहा, गंभीर और कड़वी बातों को दर्शकों तक पहुंचाने के लिए हमें थोड़ी 'मीठी परत' में पेश करना जरूरी होता है और इस स्क्रिप्ट ने यही काम बहुत खूबसूरती से किया है। कहानी मनोरंजक भी है और सोचने पर मजबूर भी करती है। यही वह संतुलन है, जिसकी वजह से मैंने इस शो को करने का फैसला लिया। शूटिंग के अनुभव को याद करते हुए गिरिजा ने कहा, ''जब तक हम थेरेपी वाले सीन तक पहुंचे, तब तक क्रू एक असली परिवार जैसी बन चुकी थी। सेट पर मस्ती, मजाक और बातचीत का माहौल इतना सहज था कि काम बोझ की तरह नहीं लग रहा था, बल्कि एक सुखद अनुभव जैसा था।

'रंगाशंकरा' में नाटक 'पापा पेन्टर' का मंचन 29 को

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। लेखक और अभिनेता विजय अशोक शर्मा द्वारा लिखित नाटक 'पापा पेन्टर' का मंचन 29 नवम्बर को रंगाशंकरा सभागार में मध्याह्न 3.30 व शाम 7.30 बजे दो सत्रों में किया जाएगा। नाटक का निर्देशन नेशनल स्कूल ऑफ़ ड्रामा से स्नातक व आदित्य विक्रम बिरला पुरस्कार से सम्मानित अजीत सिंह पलावत ने किया है। लेखक अशोक शर्मा ने बताया कि उन्होंने थियेटर कैरियर की शुरुआत बेंगलूरु से ही की थी। उन्होंने कहा कि यह नाटक एक पिता और पुत्र के जटिल रिश्ते की बारीकियों को बहुत ही करुणा के साथ दर्शाता है।

नाटक में राजस्थान के एक छोटे से गाँव से एक परिवार, बेहतर कल की उम्मीद में एक ट्रेन पर सवार होकर एक शहर पहुंचता है लेकिन प्रवासन बच्चे को माता-पिता से कहीं तेज़ी से बदल देता है और उनके बीच अनकहे फ़ासले बनने लगते हैं।

इन्हीं फासलों से 'पापा पेंटर' कहानी जन्म लेती है, उसी का संजीव व मार्मिक मंचन किया गया है। नाटक की टिकट बुकमाईशो और रंगा शंकरा के बॉक्स ऑफिस पर उपलब्ध हैं।

कराटे स्पर्धा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के ओकीनोवा ड्रैगन मार्शल आर्ट शॉटगन द्वार डॉक्टर राजकुमार ऑडिटोरियम में राज्य स्तरीय कराटे स्पर्धा का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में ढाई सौ से भी ज्यादा बच्चों ने हिस्सा लिया व अपने कला का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें पुरस्कृत किया। आयोजकों ने मुणोत को सम्मानित किया।

सखी सम्मिट में 'डिग्री से डगर' विषय पर हुई खुली चर्चा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ महिला मंडल विजयनगर द्वारा सखी सम्मिट- 'उड़ान संस्कारों की' के अंतर्गत युवतियों की सम्मिट का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सभी युवतियों ने अपना परिचय देते हुए सम्मिट का शुभारंभ ओम भिक्षु के जप के साथ किया। कार्यक्रम में 'डिग्री से डगर' विषय पर खुल कर चर्चा हुई और सभी प्रतिभागियों ने अपने अपने विचार व्यक्त किए। युवतियों ने आपस में कई रोचक गेम्स भी खेले तथा अपनी- अपनी रुचि के विषय में एक दूसरे को बताया। योग प्रशिक्षिका मोनिका ने उपस्थित जनों को योग के बारे में बताते हुए पौष्टिक आहार व हेल्दी डाइट के विषय में बताया। इस सम्मिट में चर्चा के साथ साथ आपसी परस्पर परिचय भी बढ़ाया गया। संयोजिका श्वेता नाहटा ने उपस्थित 15 प्रतिभागियों को धन्यवाद दिया।

एच-1बी वीज़ा पर ट्रंप की 'गहरी और व्यावहारिक राय' है: व्हाइट हाउस

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन/भाषा

व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने कहा है कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की एच- 1बी वीजा के मुद्दे पर बहुत गहरी और व्यावहारिक राय है और वह अमेरिकी कर्मचारियों के स्थान पर अन्य देशों के कर्मियों को रोजगार दिए जाने का समर्थन नहीं करते हैं। अमेरिकी कर्मचारियों के स्थान पर एच- 1बी वीज़ा धारकों को रोजगार दिए जाने और इस पर ट्रंप के रुख के बारे में पूछे जाने पर लेविट ने कहा कि इस मुद्दे पर राष्ट्रपति के रुख को गलत तरीके से प्रस्तुत किया गया है। एच- 1बी वीजा के मुद्दे पर लेविट ने कहा कि ट्रंप इस मुद्दे पर बहुत व्यावहारिक राय रखते हैं। वह देखना चाहते हैं कि क्या विदेशी कंपनियां अमेरिका में खरबों डॉलर का निवेश कर रही हैं और क्या वे बैटरी जैसी वस्तुएं बनाने के लिए विदेशी कर्मचारियों को अपने साथ ला रही हैं। वह यह देखना चाहते हैं कि शुरुआत में ही उन विनिर्माण सुविधाओं और कारखानों को चालू किया जा सके।

उन्होंने कहा कि ट्रंप हमेशा से ही अमेरिकी कर्मचारियों को ही इन नौकरियों में देखना चाहते हैं, और उन्होंने देश में निवेश करने वाली विदेशी कंपनियों से कहा है कि अगर उन्हें अमेरिका में कारोबार करना है तो बेहतर होगा कि वे मेरे लोगों को नौकरी पर रखें। राष्ट्रपति के रुख को लेकर काफी गलतफहमी रही है। लेविट ने कहा कि राष्ट्रपति अमेरिकी विनिर्माण उद्योग को पहले से कहीं बेहतर देखना चाहते हैं। लेविट ने कहा, शुल्क के प्रभावी इस्तेमाल और दुनिया भर में अच्छे व्यापार समझौतों को कम करने के ज़रिए वह यह काम कर रहे हैं। इसीलिए उन्होंने हमारे देश में खरबों डॉलर का निवेश आकर्षित किया है। इससे यहां पर अच्छी तनख्वाह वाली अमेरिकी नौकरियां पैदा हो रही हैं। ट्रंप ने एच- 1बी वीजा कार्यक्रम का बचाव करते हुए कहा था कि अमेरिका को दुनिया भर से प्रतिभाओं को लाना होगा, क्योंकि देश में कुछ खास प्रतिभाएं नहीं हैं।

ट्रंप के एमएजीए (मेक अमेरिका ग्रेट अगेन) समर्थकों द्वारा एच- 1बी वीजा पर की गई तीखी प्रतिक्रिया के बीच राष्ट्रपति स्पष्ट कर चुके हैं कि वह देश में कुशल पेशेवर प्रवासियों का 'स्वागत' करेंगे, जो अमेरिकी पेशेवरों को 'चिप' और 'मिसाइल' जैसे जटिल उत्पादों को विकसित करना सिखाएंगे।

आभूषण कारीगर से लूटपाट के आरोप में दो पुलिस उप निरीक्षकों समेत चार लोग गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दावणगेरे। कर्नाटक में एक आभूषण कारीगर को धमकाने और उससे सोना लूटने के आरोप में पुलिस के दो उप निरीक्षकों समेत चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि गिरफ्तार किए गए पुलिस अधिकारियों की पहचान मलप्पा चिप्पलाकट्टे और प्रवीण कुमार के रूप में हुई है।

वरिष्ठ अधिकारी ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''हमने दोनों अधिकारियों को एक व्यक्ति से सोना लूटने के आरोप में कल गिरफ्तार किया।'' शिकायत के अनुसार, हाल ही में हावेरी जिले से दावणगेरे के पूर्वी रेंज कार्यालय में स्थानांतरित हुए उप-निरीक्षकों ने कारवार के आभूषण कारीगर विश्वनाथ अरकासली को कथित तौर पर रोका।

विश्वनाथ 76 ग्राम की सोने की ईंट और 2.15 ग्राम की अंगूठी लेकर दावणगेरे से लौट रहे थे। पुलिस ने बताया कि हुब्बल्ली से रात करीब साढ़े 12 बजे यहां बस स्टैंड पर पहुंचे विश्वनाथ का उपनिरीक्षकों ने पीछा किया और फिर कॉलर से पकड़ा और इसके बाद अपनी पुलिस आईडी (पहचान पत्र) दिखाकर पहचान बताई।

उन्होंने उसे बस स्टैंड के बाहर खड़ी पुलिस जीप में बैठाया व केटीजे नगर थाने की ओर ले गए, फिर उसे एक निजी कार में बैठाने के बाद धमकाया। अधिकारियों ने उससे कथित तौर पर कहा कि जब तक वह सोना नहीं सौंपेगा, उसे छोड़ा नहीं किया जाएगा। बेंगलूरु जाते समय, उन्होंने सोना और अंगूठी कथित तौर पर छीन ली तथा उसे दावणगेरे बस स्टैंड पर वापस छोड़ दिया।

विश्वनाथ वापस दावणगेरे आए और केटीजे नगर थाने में शिकायत दर्ज करवाई। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज करने के बाद दो उपनिरीक्षकों के साथ दो अन्य लोगों विनायक नगर निवासी सतीश रेवन्नावर और सिरसी निवासी नागराज रेवलकर को सूचना देने तथा अपराध में सहायता करने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने कहा कि उन्होंने इस घटना में इस्तेमाल कार और नकली पिस्तौल भी बरामद की है।

युवा राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण शक्ति हैं : राज्यपाल गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेलगावी। भारत विकास के तीव्र पथ पर अग्रसर है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डेटा विज्ञान, नवीकरणीय ऊर्जा, जलवायु विज्ञान, जैव प्रौद्योगिकी, अंतरिक्ष अनुसंधान और डिजिटलीकरण जैसे क्षेत्रों में अभूतपूर्व प्रगति हो रही है, कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने कहा। वह रानी चन्नम्मा विश्वविद्यालय के 14वें दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता करते हुए बोल रहे थे, जहां उन्होंने वैज्ञानिक अनुसंधान, प्रौद्योगिकी और डिजिटल परिवर्तन सहित विभिन्न क्षेत्रों में भारत के बढ़ते प्रभाव पर प्रकाश डाला। राज्यपाल ने इस बात पर ज़ोर दिया कि सच्चे विकास के लिए सिर्फ़ जानकारी इकट्ठा करना ही काफ़ी नहीं है। उन्होंने कहा, हमें बुद्धिमत्ता, मानवीय संवेदनशीलता, समस्या-समाधान क्षमता और नवोन्मेषी सोच की ज़रूरत है। भारत की प्राचीन ज्ञान परंपराएँ भी इसी विश्वास को दर्शाती हैं। ज्ञान का उद्देश्य एक ऐसा दृष्टिकोण विकसित करना है जो व्यक्ति, समाज और मानवता को प्रगति की ओर ले जाए। उन्होंने कहा कि भारत विज्ञान, प्रौद्योगिकी, कृषि, स्वास्थ्य और उद्यमिता के क्षेत्र में नई ऊँचाइयों को छू रहा है, जिसमें कर्नाटक अग्रणी भूमिका निभा रहा है। उन्होंने आगे कहा, बेंगलूरु से बेलगावी तक नवाचार, ऊर्जा और ज्ञान की लहर बह रही है। हमारे विश्वविद्यालय और छात्र इस परिवर्तन के केंद्र में हैं। दीक्षांत समारोह के दौरान, शिवाजी कागनीकर, विनोद दोदन्नवर और बसवराज यालिगर को मानद उपाधियाँ प्रदान की गईं। राज्यपाल ने उन्हें बधाई दी और समाज सेवा में निरंतर सफलता की कामना की। इस अवसर पर पद्मश्री एएस किरण कुमार, कुलपति प्रो. सी.एम. त्यागराज और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

ब्लाइंड विमेंस टी20 क्रिकेट वर्ल्ड कप जीत ऐतिहासिक : विजयेंद्र येडीयुरप्पा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक विजयेन्द्र येडीयुरप्पा ने कहा कि ब्लाइंड विमेंस टी20 क्रिकेट वर्ल्ड कप जीतने में भारतीय टीम की कामयाबी बहुत ऐतिहासिक है। उन्होंने आज शहर के एक होटल में भारतीय ब्लाइंड विमेंस क्रिकेट टीम को बधाई देते हुए कहा कि यह तारीफ के काबिल है कि भारतीय टीम ने पूरी सीरीज़ जीतकर तरक्की की है। उन्होंने कहा कि यह कड़ी मेहनत, टीम परफॉर्मेंस और कमिटमेंट से हासिल किया जा सकता है। इस कामयाबी के पीछे समर्था ट्रस्ट के प्रेसिडेंट और ब्लाइंड क्रिकेट एसोसिएशन के मेंटर डॉ. महंतेश जी. किवादासन्नवर का पर्दे के पीछे अहम रोल रहा। उन्होंने उन्हें भी बधाई दी। इस मौके पर ब्लाइंड क्रिकेट एसोसिएशन के मेंटर डॉ. महंतेश जी. किवादासन्नवर, कैप्टन दीपिका टी.सी., टीम कोच संधू, टीम मैनेजर शिखा शेट्टी, इगझ चझ पी.सी. मोहन, स्टेट सेक्रेटरी शरणु तारिकेरी, बेंगलूरु सिटी प्रेसिडेंट सप्तगिरी गौड़ा, राज्य मीडिया संयोजक करुणाकर खासले ने हिस्सा लिया।

एस-व्यासा विश्वविद्यालय में मनाया गया सिख गुरु तेग बहादुर का 'बलिदान दिवस'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के एस-व्यासा विश्वविद्यालय, राजराजेश्वरीनगर में सोमवार को सिख गुरु तेग बहादुर जी के 'बलिदान दिवस' को श्रद्धा व आस्था के साथ मनाया गया। छत्तीसगढ़ के न्यूज़ ब्रॉडकास्ट डायरेक्टर आकाश वर्मा व जम्मू-कश्मीर की शिक्षिका सीमा महरोत्रा वर्मा द्वारा स्थापित 'दि संवाद' नामक मंच ने इस कार्यक्रम का आयोजन किया।

ऑनलाइन के माध्यम से अपने संबोधन में आकाश वर्मा ने कहा कि भारत के महान पुत्रों और पुत्रियों की शिक्षाओं (उपदेशों) को किसी एक क्षेत्र, भाषा या समूह तक सीमित नहीं रखा जा सकता। ये संदेश पूरे भारतीय परिवार के लिए हैं और मानवता के लिए हैं, जो भारतीय संस्कारों के अनुरूप हैं। कार्यक्रम का एक प्रमुख आकर्षण गुरु तेग बहादुर जी को समर्पित कन्नड़ गीत का विमोचन था, जिसे डॉ. पद्मिनी ओक ने प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में जयराम केजी और ईरन्ना उदोशी ने बताया कि गुरु साहिब की निःस्वार्थ सेवा की भावना उन्हें सैनिकों की भलाई के लिए कार्य करने की प्रेरणा देती है। प्रो. उदय रघुनाथ बिरजे ने गुरु साहिब के जीवन, धर्म की रक्षा के लिए उनके संघर्ष और सिख परंपरा की सेवा-वीरता की परंपरा पर प्रकाश डाला।ङ्कङ्कार्यक्रम में गुरु सिंह सभा गुरुद्वारा अलसूर के अध्यक्ष सरदार प्रितपाल सिंह भाटिया, डॉक्टर हरमिंदर सिंह, सरदार जसपाल सिंह और सरदार हरमीत सिंह आदि उपस्थित थे जिन्होंने कार्यक्रम की सराहना की और कहा कि गुरु साहिब की शिक्षाओं का प्रसार विभिन्न क्षेत्रों तक होना सुखद है।

इसके अलावा कोलार जिले के वेंकटेश और उनके युवा साथियों ने भी भाग लिया जो अपने अवकाश के दिनों में जर्जर मंदिरों की सफाई व मरम्मत का कार्य करते हैं। कार्यक्रम में एस-व्यासा के कई अधिकारी और शिक्षक उपस्थित थे। उपस्थित शिक्षकों ने मूल्य आधारित शिक्षा और भारतीय सभ्यता के महान व्यक्तित्वों से प्रेरणा लेने के महत्व पर जोर दिया। कार्यक्रम के अंत में सीमा महरोत्रा वर्मा ने अपने परिवार की गुरुओं से भावनात्मक जुड़ाव की कहानी साझा की और कलाकार करण आचार्य द्वारा बनाए गए गुरु तेग बहादुर जी के बलिदान पर आधारित चित्र भी प्रदर्शित किए।

सुमतिनाथ जैन मंदिर मनवरतपेट में धूमधाम से सम्पन्न हुआ ध्वजारोहण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के मनवरतपेट स्थित सुमतिनाथ जैन मंदिर में मंगलवार को गणिवर्य गुणहंसविजयजी के शिष्य मुनिश्री हेमगुणविजयजी की निश्रा में 22वां ध्वजारोहण किया गया। सर्वप्रथम ध्वजा के लाभार्थी परिवार सुभाषचंद, हिम्मतलाल, जयंतीलाल हिरण परिवार ने नूतन ध्वजा व शोभायात्रा के साथ मंदिर में प्रवेश किया। संतों ने नई ध्वजा पर वासक्षेप किया तथा सत्तरभेदी पूजा पढ़ाई गई। शुभ मुहूर्त में मंदिर के शिखर पर ॐ पुण्याहमं-पुण्याहमं की गूंज के साथ विधिविधान से लाभार्थी परिवार द्वारा मूलनायक सुमतिनाथ भगवान की ध्वजा चढ़ाई गई।

ध्वजापूजा की विधि विक्रम गुरु ने कराई । इस मौके पर मुनिश्री ने कहा कि जो व्यक्ति प्रतिकूल परिस्थितियों को अनुकूल बनाकर अपने जीवन को जीता है, जो सच्चे मन से परमात्मा के चरणों में आता है वह सदैव उन्नति की ओर अग्रसर होता है। उन्होंने कहा कि यदि हम परमात्मा का हाथ पकड़ने की कोशिश करेंगे तो परमात्मा उस व्यक्ति का हाथ कभी नहीं छोड़ेगा। कर्मों के क्षय के लिए सर्वश्रेष्ठ मार्ग परमात्मा भक्ति ही है। सुमतिनाथ जैन मंदिर ट्रस्ट मंडल द्वारा हिम्मतमल हरण परिवार का सम्मान किया गया एवं 23वीं ध्वजा का लाभ सकल संघ की सहमति से बसंत फैंसी स्टोर परिवार को दिया गया। ध्वजारोहण समारोह में संघ के बाबूलाल दानी, सतीश जीरावला, प्रदीप शाह, जयंतीलाल श्रीश्रीमाल सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित थे।

जीतो मैसूरु ने 'श्रमण आरोग्यम' प्रोजेक्ट के तहत वसंतमुनि को दिया हेल्थ कार्ड

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। जीतो के प्रोजेक्ट 'श्रमण आरोग्यम' के तहत मंगलवार को जीतो मैसूरु के पदाधिकारियों ने मैसूरु में विराजित श्री वसंतमुनिजी के दर्शन कर उनको स्वास्थ्य जांच लाभ के लिए हेल्थकार्ड भेंट किया गया। साथ में विहार सेवा में सहायता करने वाले सभी विहार सैनिकों को विहार सुरक्षा संबंधी सेफ्टी किट भी प्रदान किया गया। इस मौके पर जीतो मैसूरु के पूर्व चेयरमैन कांतिलाल चौहान, वर्तमान कोषाध्यक्ष नेमीचंद श्रीमाल, मुख्य सचिव गौतम सालेचा, श्रमण आरोग्य के संयोजक राजन बागमार, यूथ विंग के चेयरमैन सिद्धार्थ कटारिया, मनोहर सांखला, प्रकाश गांधी, जीतो महिला विंग की उपाध्यक्ष सरिता बागमार, महिला विंग श्रमण आरोग्यम संयोजिका स्मिता मुथा, नीलम लोढ़ा, श्यामलाल गन्ना उपस्थित थे।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें
दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक
www.dakshinbharat.com

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com/**RNI No. 58061/93.**